वर्षः 7- अंकः 137, मुंबई, गुरुवार, 20 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

# दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

शुध्द घी में बना

केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

## शिर्डी में अब साई भक्तों के लिए मुफ्त वाई-फाई सुविधा

**शिर्डी।** साईबाबा के दर्शन के लिए शिर्डी आने वाले भक्तों को मुफ्त वाई-फाई की सौगात दी गई है। श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट, शिर्डी की ओर से मंदिर परिसर में मुफ्त वाई-फाई सुविधा शुरू की गई है। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. सुरेश हावरे ने इस मौके पर बताया कि साईं बाबा के दर्शन करने देश-विदेश से रोज करीब 50 हजार भक्त आते हैं। इस मुफ्त वाई-फाई सुविधा से लाखों साईं भक्तों की जानकारी जुटाने में भी मदद मिलेगी। साथ ही इस माध्यम से मंदिर कार्यक्रम तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी आसानी से साईं भक्तगणों तक पहुंचगी। संस्थान का मानना है कि फ्री वाईफाई सुविधा डिजास्टर मैनेजमेंट में भी मददगार होगी। भीड़ के समय साईं भक्तों तक कोई जानकारी पहुंचाने में भी वाई-फाई सेवा काम आएगी।

## 'जग्गा जासूस' की एक्ट्रेस ने की आत्महत्या

### मर्डर या खुदकुशी, पुलिस जांच में जुटी

**मुंबई।** रणबीर-कैटरीना की फिल्म 'जग्गा जासूस' में काम करने वाली असम की मॉडल और सिंगर बिदिशा बेजबरूआ ने हरियाणा के गुरुग्राम में सुसाइड कर लिया है। बता दें कि बिदिशा दो दिन पहले गुरुग्राम में शिफ्ट हुई थीं। बिदिशा के सुसाइड करने के मामले में पुलिस ने उनके पति को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि मंगलवार देर रात दिल्ली के सुशांत लोग इलाके से बिदिशा बेजबरूआ के पति की गिरफ्तारी हुई। मृतका के पिता ने बिदिशा के पति निशित झा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की शिकायत दी थी। बिदिशा असम की लोकप्रिय अभिनेत्री और गायिका थीं। बिदिशा अब इस दुनिया में नहीं हैं।

**(शेष पृष्ठ 5 पर)**

पति गिरफ्तार

## आरजे पर बीएमसी की कार्रवाई

**मुंबई।** मशहूर एफएम आरजे मलिष्का को बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) के कामों पर सवाल उठाना महंगा पड़ रहा है। उन्होंने एक वीडियो सॉन्ग के जरिए बीएमसी पर लापरवाहियां बरतने का आरोप लगाया था। अब बीएमसी ने उन्हें घर में मलेरिया के मच्छर पालने का आरोप लगाकर नोटिस थमा दिया है। सोशल साइट्स पर लोग इसे बीएमसी की बदले की कार्रवाई बता रहे हैं। बीएमसी ने म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट के सेक्शन 381 B के तहत यह नोटिस जारी किया है।

**(शेष पृष्ठ 5 पर)**

### ...कहा बदले की कार्रवाई

बीएमसी की इस कार्रवाई के बाद लोग सोशल मीडिया पर मलिष्का का सपोर्ट कर रहे हैं। कई लोगों ने मलिष्का के वीडियो की तारीफ करते हुए लिखा है कि उन्होंने बीएमसी की पोल खोली, इसलिए अब उसे मिर्ची लग रही है।

कुछ लोगों ने इसे बदले की कार्रवाई बताते हुए आरजे मलिष्का को आगे भी इस तरह के वीडियो लाने की बात कही है।

### क्या है वीडियो में?

मलिष्का के वीडियो सांग का टाइटल है मुंबई, तुझे बीएमसी पर भरोसा नहीं है क्या? इसे उनके ऑफिस में शूट किया गया है। इसमें मलिष्का के पीछे उनके ऑफिस के लोग नजर आ रहे हैं। वीडियो में मराठी भाषा में गाते हुए मलिष्का मुंबई के ट्रैफिक, बारिश और गंदगी के लिए बीएमसी को जिम्मेदार ठहराती हैं। साथ ही वे लोगों से इसके लिए संतोष करने की बात कहती हैं। मलिष्का का यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। अब तक इसे कई लाख लोग देख चुके हैं। बता दें कि, मुंबई बीएमसी में शिवसेना का कब्जा है। वीडियो वायरल हो जाने के बाद लोग शिवसेना और बीएमसी की आलोचना कर रहे हैं।

## देशभक्ति हमारे खून में है : आसिम अहमद खान

***नई दिल्ली।*** *मुस्लमानों पर हो रहे जुल्म और उन्हें पाकिस्तानी कहने वाले तमाम लोगों के लिए विधानसभा में एमएलए आसिम अहमद खान ने जमकर आवाज उठाई। उन्होंने विधानसभा अपने पूरे हिन्दुस्तानी जजबातों को अपनी आवाज में बुलंद करके पाकिस्तानी कहने वाले तमाम लोगों पर कहा कि हमे अपने मुस्लमान और हिन्दुस्तानी होने का सबूत क्यों देना पडेगा। हम हिन्दुस्तानी हैं इसका हमें गर्व है और हमेशा रहेगा। इसके लिए मर मिटने का जज्बा बरकरार रहेगा। पिछले दिन दिल्ली के मटिया महल विधानसभा सीट से विधायक चुने गये आप के*

*आसिम अहमद खान के बयान से विधानसभा में बैठे लोग उस समय जजबाती हो गये, जब उन्होंने अपने मुसलमान होने और सच्चा हिंदुस्तानी होने के संदर्भ में काफी गर्वीला बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश के अंदर कुछ लोग मुसलमानों से देशभक्ति का सबूत मांगते हैं बीफ के नाम पर उन्हें मारा पीटा जाता है, यहां तक उनकी जान भी ले ली जाती है यह कैसा न्याय है। सच तो यह है कि भारत की आजादी के लिए जितनी कुर्बानियां अन्य कौम के लोगों ने दी है मुसलमान कौम उनसे कमतर नहीं।*

***(शेष पृष्ठ 5 पर)***

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# मूसलाधार बारिश से धीमी पड़ी मुंबई की रफ्तार

**मुंबई,** महानगर में शनिवार की रात से लगातार हो रही बारिश से मंगलवार को भी रेलवे, सड़क यातायात प्रभावित रहा। मध्य और पश्चिम रेलवे के अंतर्ग लोकल सेवाएं 30 मिनट की देरी से चलीं। जबकि सड़क यातायात में मुंबईकरों घंटों जाम में फसे रहना पड़ा।

**पश्चिम रेलवे पर लंबी दूरी की गाड़ियां रद्द-** पश्चिम रेलवे के अंतर्गत वलसाड में ट्रैक पर पानी जमा होने की वजह से एक्सप्रेस गाड़ियां भी 20 मिनट की देरी से चली। जबकि कई ट्रेनें रद्द कर दी गई इससे यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पश्चिम रेलवे के अनुसार 17 जुलाई की देरा रात वलसाढ़ रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर पानी भर गया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई सेवाओं रद्द किया गया। वलसाड स्टेशन के ट्रैक पर पानी के स्तर कम होने पर अप दिशा में 4.45 बजे तथा डाउन दिशा में 5.00 बजे रेल परिचालन सामान्य हो गया। मुंबई-पुणे मार्ग मुंबई-हैद्राबाद एक्सप्रेस बॉउल्डर से टकराने की वजह से ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया। हालाकि इस घटना में कोई भी यात्री जखमी नहीं हुआ,लेकिन लंबी दूरी की गाड़ियां देरी से चलीं। मध्य रेलवे के मुताबिक गाड़ी क्रमांक17031 मुंबई-हैदराबाद एक्सप्रेस जैसे ही लोनावला के करीब मंकी हिल और ठाकूरवाडी स्टेशन के पास पहुंची इंजन एक बड़े पत्थर से ठकरा गया। इस वजह से ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया। घटना 3.45 बजे घटी। जानकारी मिलते ही मंडल रेल प्रबंधक रविंद्र गोयल समेत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पहुंचे। मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं।

# फडणवीस सरकार ने दी समूह खेती की मंजूरी

**मुंबई,** महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने समूह खेती को हरी झंडी दे दी है। इसके लिए सरकार ने चालू वर्ष के बजट में करीब 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। समूह खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। सरकार का मानना है कि किसानों के लिए उठाए जा रहे कदम से सन 2022 तक उनके आय में दुगुने की बढ़ोतरी होगी।

राज्य में जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ ही राज्य में खेती की जमीनें कम होती जा रही है। सन 2010-11 की एक रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में प्रति धारक 1970-71 में 4.28 हेक्टयर खेती की जमीन थी, जो अब कम होकर सन 2010-11 में 1.44 हेक्टयर प्रति धारक ही रह गई है। कुछ जगह पर तो प्रति धारक 11 से 15 गुंठा (1089 वर्ग फुट का एक गुंठा और 98.8 गुंठे का एक हेक्टेयर जमीन) ही खेती है। ऐसी स्थिति में किसानों के लिए कम जमीन पर खेती करना आर्थिक रूप से लाभदायक नहीं है। किसानों के लिए सरकार समूह खेती का एक विकल्प सामने लाया है। समूह खेती के लिए किसानों को एक प्लैटफॉर्म पर आना पड़ेगा। जमीन की भौगोलिक स्थित को देखते हुए उपजाऊ व बंजर जमीन का ग्रुप बनाना होगा, ताकि सब लोग एकजुट होकर खेती कर सके। उसके लिए उन्हें सरकार हर तरह से मदद करेगी।

सरकार ग्रुप को खेती से संबंधित विशेषज्ञ देगी ताकि वह समूह का उचित मार्गदर्शन कर सके। सरकार प्रत्येक ग्रुप को एक-एक करोड़ रुपये का अनुदान देगी। इस योजना के अंतर्गत अच्छा काम करने वाले को हर साल नमक पुरस्कार व प्रशस्ति-पत्र देगी। पहला नकद पुरस्कार 25 लाख रुपये, दूसरा पुरस्कार 15 लाख रुपये और तीसरा पुरस्कार 5 लाख रुपये दिया जाएगा।

खेती के लिए समूह बनाने वाले किसानों को महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 अथवा कंपनी ऐक्ट 1956 के अंतर्गत पंजीकृत करना अनिवार्य होगा। योजना के अंतर्गत दो साल तक हर समूह को एक करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। समूह खेती के लिए सरकार ने आदर्श नमूना तैयार करने के लिए पशुसंवर्धन, दुग्ध व्यवसाय, मत्स्य व्यवसाय विभाग व रेशम उद्योग समेत अन्य विभाग के लोगों को समाहित किया है। खेती के उपकरण भी मुहैया कराएगी। इसके लिए बैंक से कर्ज की सुविधा देगी।

# गन्ना लगना है तो पहले ड्रिप इरिगेशन करों

**मुंबई,** गन्ना की खेती करने वाले किसानों के लिए सरकार ने ठिबक सिंचाई (ड्रिप इरिगेशन ) की व्यवस्था अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए सरकार 2 फीसदी की दर से प्रति हेक्टेयर 85,400 रुपये का कर्ज मुहैया कराएगी। यह निर्णय सरकार ने पानी की बरबादी रोकने के के मकसद से किया है। मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। कृषि मंत्री पांडुरंग फुंडकर के अनुसार, ड्रिप इरिगेशन लगाने वाले किसान को प्रति हेक्टेयर 85,400 रुपये का कर्ज 2 प्रतिशत के ब्याज दर पर मिलेगा। नाबार्ड इसके लिए राज्य सहकारी शिखर बैंक के माध्यम से 5.50 प्रतिशत की दर से कर्ज मुहैया कराएगी। राज्य शिखर बैंक 6 प्रतिशत की दर से जिला मध्यवर्ती बैंकों को कर्ज उपलब्ध कराएगा। इसके बाद जिला बैंक किसानों को 7.25 प्रतिशत की दर से कर्ज देंगे। कृषि मंत्री ने बताया कि, किसानों द्वारा कर्ज को नियमित रूप से भरने के बाद 4 प्रतिशत ब्याज राज्य सरकार,1. 25 प्रतिशत शक्कर कारखाने

और 2 प्रतिशत ब्याज भरेंगे। सरकार अपने हिस्से का 4 प्रतिशत ब्याज भरने के लिए साल 2017-18 से 2022 -23 के लिए सहकारिता विभाग के जरिए आर्थिक व्यवस्था करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 9.42 लाख हेक्टेयर जमीन पर गन्ने की खेती की जाती है। पहले चरण में इस योजना के तहत 3 लाख, 5 हजार हेक्टेयर जमीन पर ड्रिप इरिगेशन को लागू किया जाएगा। सरकार ने यह निर्णय पानी की बचत करने के लिए लिया है।

# मालवणी पुलिस के हत्थे चढ़ा 'फावड़ा' गिरोह !

**मुंबई,** मालवणी पुलिस ने एक ऐसे ऑटोरिक्शा-बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है जिसके बदमाश वाहनों को चुराकर उसे मुंबई से बाहर औने-पौने दाम में बेच देते थे। मालवणी पुलिस के सीनियर पीआई दीपक फंटागरे ने बताया कि पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी का नाम अल्ताफ शेख उर्फ फावड़ा (43) है, जिसे वाहन चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को आरोपी के पास से चोरी हुए 10 ऑटोरिक्शा और 2 बाइक्स मिले हैं। इसकी कीमत करीब 10 लाख से अधिक रुपये बताई जा रही है। फावड़ा के अलावा उसके एक और साथी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिससे पुलिस पूछताछ करने में जुटी हुई हैं। फावड़ा गिरोह के खिलाफ निर्मल नगर, मेघवाड़ी, भांडुप, विक्रोली, वसोर्वा और जोगेश्वरी समेत कई पुलिस स्टेशनों में वाहन चोरी कर बेचने के कई मामले दर्ज हैं।

**ऐसे मशहूर हुआ फावड़ा गिरोह**

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अल्ताफ का नाम फावड़ा के रूप में काफी मशहूर है, क्योंकि वह कभी कंस्ट्रक्शन साइट पर मजदूरी करने के दौरान फावड़ा चलाने में एक्सपर्ट था। बाद में फावड़ा चोर गिरोह बना लिया और वाहन चोरी करने लगा। पुलिस को इस शातिर फावड़ा गिरोह की काफी दिनों से तलाश थी। उपनगरीय इलाके में बढ़ रही वाहन चोरी की घटना से निपटने के लिए नॉर्थ रीजन के अडिशनल सीपी राजेश प्रधान ने वाहन चोर निरोधक दस्ते का गठन किया है। जिसका मकसद वाहन चोरी और बिक्री की घटनाओं पर रोक लगाना है। इसी के तहत जोन-11 के डीसीपी विक्रम देशमाने के मार्गदर्शन में सीनियर पीआई फंटागरे की खास टीम ने फावड़ा गिरोह का भंडाफोड़ किया। चोरी की घटना की पुलिस अधिकारी नीलेश वागवे जांच कर रहे हैं।

**एमआईडीसी में भी पकड़ा गया था वाहन चोर गिरोह-** इससे पहले एमआईडीसी पुलिस ने भी ऐसे ही एक वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया था, जिसके शातिर बदमाश चोरी के वाहनों को धुले जिले में ले जाकर बेच देते थे, जहां चोर गिरोह के अन्य बदमाश उस वाहनों को दो घण्टे के अंदर पुर्जा-पुर्जा अलग कर उसे स्थानीय कबाड़ी बाजार में बेच देते थे। पुलिस ने इस गिरोह के 8 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, गुरुवार
20 जुलाई, 2017



# शिवसेना ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हिंसा के लिए मोदी सरकार पर साधा निशाना

**मुंबई।** गोरक्षा के नाम पर हिंसा के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन कोई ना कोई घटना सामने आ रही है। शिवसेना ने बुधवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार की कथित तौर पर आलोचना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गोरक्षा के नाम पर हिंसा के बढ़ते मामलों की संख्या ध्यान आकर्षित कराया। शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक लेख में 'गोरक्षा' को एक 'व्यापार' के समान बताया है, जिसकी दुकानें प्रधानमंत्री मोदी के निरंतर आदेशों और अनुरोधों के बाद भी बंद नहीं हो पा रही हैं। शिवसेना ने आगे कहा कि पाकिस्तान चाहता है कि हिंदू और मुसलमान इस तरह के मामूली मुद्दों पर लड़ें और धर्म को लेकर देश को विभाजित करें। सामना ने हाल ही में अमरनाथ में आतंकवादी हमले की ओर ध्यान आकर्षित किया और पूछा, 'ये तथाकथित गौराक्षक कहां थे, जब कुछ धार्मिक लोगों को उनकी तीर्थ यात्रा पर मार दिया गया था? ड्राइवर, जिसने इन तीर्थयात्रियों में से कई को बचाया, स्वयं एक मुस्लिम था।'

शिवसेना ने आगे आश्चर्य व्यक्त किया कि बीजेपी शासित कई राज्यों में गोमांस की बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है, जबकि अन्य राज्यों में है। शिवसेना के नेता संजय राऊत ने इस मुद्दे पर पार्टी के रुख को दोहराया और पूछा कि ये गोरक्षक कौन हैं, जो निर्दोष लोगों की हत्या कर रहे हैं? राऊत ने कहा, 'अब तो प्रधानमंत्री मोदी ने अब यह सवाल पूछना शुरू कर दिया है। हम जानना चाहते हैं कि क्या पाकिस्तान षड्यंत्रों के माध्यम से फिर भारत में हिंदू-मुस्लिम दंगे पैदा करना चाहता है?' इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने गोवा के मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मनोहर परीकर के गोमांस के निर्यात वाले बयान का हवाला देते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणी हास्यप्रद है। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने कहा, 'गोवा के मुख्यमंत्री यह कह रहे हैं कि राज्य में गोमांस की कमी नहीं होने देंगे। यह हास्यप्रद और विडंबनापूर्ण है।'

गौरतलब है कि गोवा के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा था कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य में गोमांस की कोई कमी नहीं हो। परीकर ने राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर गोवा में गोमांस की कमी होगी, तो वह पड़ोसी राज्यों से गोमांस आयात करेंगे।

## पश्चिम रेलवे पर लगाई गई 161 वॉटरवेंडिंग मशीनें

**मुंबई।** पश्चिम रेलवे ने अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी छह मंडलों के विभिन्न स्टेशनों पर किफायती दरों पर आरओ परिष्कृतशुद्ध पेयजल सरलता से उपलब्ध कराने हेतु 161 वॉटर वेंडिंगमशीनें लगाई हैं, जिनमें से 20 वॉटर वेंडिंग मशीनें मुंबई उपनगरीयखंड पर मरीन लाइन्स से डहानू रोड तक के विविध स्टेशनों परउपलब्ध कराई गई हैं। अच्छी खबर यह है कि 37 और मशीनें जल्दही अन्य उपनगरीय स्टेशनों पर लगाई जायेंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविंद्र भाकर द्वारा ने बताया गया है कि रेलवे बोर्ड के नीतिगतदिशा-निर्देशों के अनुरूप स्टेशनों पर वॉटर वेंडिंग मशीनों को आईआरसीटीसी द्वारा लगाया जा रहा है। पश्चिम रेलवे के लिए 321मशीनों की स्वीकृति मिल चुकी है, जिनमें से अब तक 166 मशीनेंप्राप्त हो गई हैं तथा यात्रियों की सुविधा के लिए 161 मशीनेंविभिन्न स्टेशनों पर लगाई जा चुकी हैं। मुंबई उपनगरीय खंड परबोरीवली, दहिसर, माहिम, एलफिन्स्टन रोड, महालक्ष्मी, नायगाँव,डहानू रोड, माटुंगा रोड, सफाले एवं केलवे रोड स्टेशनों पर एक-एकतथा चर्नी रोड, खार रोड, लोअर परेल, पालघर एवं मरीन लाइन्सस्टेशनों पर दो-दो वॉटर वेंडिंग मशीनें लगाई गई हैं।

## जाकिर नाईक को झटका पासपोर्ट किया गया रद्द

**मुंबई।** विवादित इस्लाम प्रचारक जाकिर नाईक को बड़ा झटका देते हुए उसका पासपोर्ट निरस्त कर दिया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बयान जारी कर कहा है कि तीन बार नोटिस देने के बावजूद जांच में सहयोग न करने पर विदेश मंत्रालय से नाईक का पासपोर्ट निरस्त करने की अपील की थी।

जिसके बाद मुंबई रीजनल पासपोर्ट ऑफिस ने मंगलवार को उसका पासपोर्ट निरस्त कर दिया। ढाका आतंकी हमले के बाद विवादों में फंसे नाईक पर भड़काऊ भाषण के जरिए समुदायों के बीच नफरत फैलाने, आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने और मनी लांडरिंग का आरोप है। बांग्लादेश में हुए आतंकी हमले में शामिल दो आरोपियों के नाईक से प्रभावित होने की बात सामने आई थी। इसके बाद नाईक देश छोड़कर चला गया था। नाईक ने पिछले साल अपने पासपोर्ट का 10 सालों के लिए नवीनीकरण कराया था। नवंबर महीने में एनआईए ने नाईक के खिलाफ आईपीसी और अवैध गतिविधि प्रतिबंधक कानून (यूएपीए) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। सरकार ने उसकी संस्था इस्लामिक रिसर्च फाऊंडेशन को भी गैरकानूनी घोषित कर दिया है, साथ ही उसके चैनल पीस टीवी पर भी पाबंदी लगा दी गई है। उसके खिलाफ विशेष अदालत ने गैरजमानती वारंट भी जारी किया गया है।

## यातायात नियम तोड़ने वालों की अब खैर नहीं

**मुंबई।** मुंबई में अब ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों की शामत आने वाली है। मुंबई ट्राफिक पुलिस ने अपने सिपाहियों को ऐसे उपकरण दिए हैं। जिसके जरिए हर किसी की पोल खुल जाएगी। अब हर ट्राफिक पुलिसकर्मी के सीने पर एक कैमरा वाईफाई से लैश लगा होगा। और आप जो भी बातचीत ट्राफिक पुलिस से करेंगे और उस कैमरा की नजर रहेगी। आपके और पुलिसकर्मी की बातचीत पूरा कंट्रोल रूम में रिकार्ड हो जाएगी। और आपने अगर नियम

तोड़ने के बाद पुलिसकर्मी को रिश्वत देने की कोशिश की तो बिना देर किए आप पर कड़ी कार्रवाई हो जाएगी। यानी अब अगर आप ट्रैफिक नियम का पालन नहीं करते हैं तो कार्रवाई के लिए तैयार हो जाये। क्योंकि अब आप झूठ भी नहीं बोल सकते कि हमने ट्राफिक नियम को नहीं तोड़ा।

## मराठी फिल्मों की अभिनेत्री उमा भेंडे का निधन

**मुंबई।** मराठी फिल्मों की वरिष्ठ अभिनेत्री उमा भेंडे (72) का बुधवार दोपहर मुंबई में निधन हुआ। उनका रात को अंतिम संस्कार होगा। उमा पिछले कुछ दिनों सो बीमार थीं। उनके परिवार मे पति और दो बेटे हैं। मूल रुप से कोल्हापुर की रहने वाली उमा भेंडे का असली नाम अनुसया था। लता मंगेशकर ने उनका उमा रख उन्हें नई पहचान दिलाई थी। उमा भेंडे मूल रुप से कोल्हापुर की रहने वाली थी। इन्होंने 1960 में आई मराठी फिल्म आकाशगंगा से डेब्यू किया था। उस फिल्म के लिए उमा को 100 रुपए मिले थे। इसके बाद उन्होंने कई मराठी हिंदी तेलुगु और छत्तीसगढ़ी फिल्मों में काम किया।

## फीस बढ़ोतरी पर अभिभावक नहीं कर सकते डीएफआरसी से शिकायत

**मुंबई।** पैरेंट टीचर्स एसोसिएशन (पीटीए) की मंजूरी के बाद स्कूल की ओर से बढ़ाई गई फीस को लेकर अभिभावक विभागीय फीस विनियमन कमेटी (डीएफआरसी) के पास शिकायत नहीं कर सकता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान अपने एक आदेश में यह बात स्पष्ट की है। मामला महानगर की इंडियन एजूकेशन सोसायटी द्वारा संचालित मार्डन इंग्लिश स्कूल से जुड़ा है। स्कूल ने फीस में तीन सौ रुपए की बढ़ोतरी की है। इसके खिलाफ अभिभावकों ने विभागीय फीस नियमन कमेटी के पास शिकायत की थी। कमेटी ने स्कूल को नोटिस जारी कर कहा था कि, उसके पास एक-एक अभिभावक की शिकायत सुनने का अधिकार है। कमेटी के इस फैसले को एजूकेशन सोसायटी व यूरो स्कूल ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। न्यायमूर्ति भूषण गवई व न्यायमूर्ति रियाज छागला के समक्ष याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान एजूकेशन सोसायटी की ओर से पैरवी कर रहे वकील अरविंद कोठारी ने कहा-कमेटी एक अभिभावक की शिकायत पर सुनवाई नहीं कर सकती है। उसके पास अभिभावक की शिकायत पर सुनवाई करने का अधिकार नहीं है। पीटीए ही फीस के मुद्दे पर कमेटी के पास जा सकता है। फीस में बढ़ोतरी पीटीए की मंजूरी के बाद की गई है। इस दौरान सभी नियमों का पालन किया गया है।

***हाईकोर्ट की दलील :*** *मामले से जुड़े दोनों पक्षों को सुनने के बाद खंडपीठ ने कहा- कानून बनाना विधायिका का काम है। सरकार ने महाराष्ट्र एजूकेशन इंस्टीट्यूशन फीस रेग्युलेशन कानून बनाया है। इसके लिए कमेटी बनाई गई है। इस कानून में व्यक्तिगत तौर पर अभिभावकों को फीस के मुद्दे पर शिकायत का अधिकार नहीं है तो हम इस पर कुछ नहीं कर सकते हैं। यदि किसी कानून में खराबी है तो इसे रद्द करने का अधिकार विधायिका को है। अंत में खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा-हम कानून के बाहर नहीं जा सकते है लिहाजा अभिभावकों को इस मुद्दे को लेकर विधायक और सांसदों से संपर्क करना चाहिए।*

***क्या कहा याचिका में :*** *वहीं अभिभावकों की ओर से पैरवी कर रही अधिवक्ता ए. सहाय ने कहा-पीटीए का गठन हर साल किया जाता है। इसलिए उसके फैसले को दो वर्षों तक लागू नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा अभिभावकों को कमेटी के पास शिकायत करने का अधिकार न देनेवाले कानून को रद्द किया जाना चाहिए। सिर्फ स्कूल प्रबंधन को कमेटी के पास अपील का अधिकार देना भेदभावपूर्ण है। इससे शिक्षा के व्यापारीकरण को बढ़ावा मिलेगा और स्कूल मनमाने तरीके से मुनाफा कमाएंगे।*

**आवश्यक सूचना**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
**(9619102478)**

**आवश्यक है**

**'दैनिक मुंबई हलचल'** अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
**(9619102478)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### इस्तीफे का दांव

**बसपा** प्रमुख मायावती ने जिस तरह राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया उससे यह साफ है कि वह पहले से गुस्सा दिखाने की तैयारी करके आई थीं। दलितों पर हमले की घटनाओं और खासकर सहारनपुर की हिंसा पर बोलने के दौरान उन्होंने इतने मात्र पर आपा खो दिया कि तीन मिनट होते ही उपसभापति ने घंटी बजा दी। यह कोई नई-अनोखी बात नहीं। राज्यसभा में अच्छा-खासा समय बिता चुकीं मायावती को अच्छे से पता है कि इस तरह की घंटी तो बजती ही रहती है। भले ही उन्होंने भाजपा सदस्यों की टोका-टोकी को लेकर यह जताने की कोशिश की हो कि सत्तापक्ष उन्हें बोलने से रोक रहा है, लेकिन आखिर इसकी अनदेखी कैसे की जा सकती है कि उन्हें तीन मिनट में भाषण खत्म करने का निर्देश तो उपसभापति ने दिया था? यह अजीब है कि मायावती जब इस्तीफे की धमकी देकर बाहर निकलीं तो उनके समर्थन में कांग्रेस के सदस्यों ने भी सदन छोड़ दिया। आखिर उन्होंने अपने ही दल के सांसद और साथ ही उपसभापति से यह क्यों नहीं कहा कि उनके हिस्से का समय मायावती को दे दिया जाए? निःसंदेह ऐसा भी नहीं था कि सत्तापक्ष दलितों पर हमले के मामले में चर्चा से इन्कार कर रहा हो अथवा उपसभापति इसकी इजाजत देने के लिए तैयार न हों। जब ऐसा कुछ था ही नहीं तब फिर गर्जन-तर्जन और इस्तीफे की घोषणा का कोई औचित्य नहीं? यह पहली बार नहीं जब विपक्ष ने किसी मसले पर चर्चा के बहाने हंगामा करना अधिक पसंद किया हो। संसद के प्रत्येक सत्र की शुरूआत के दौरान ऐसा खासतौर पर देखने को मिलता है। यह और कुछ नहीं, दिखावे की राजनीति है। इस तरह की राजनीति सांसदों के अगंभीर रवैये का परिचायक है। दरअसल इसी कारण संसद में राष्ट्रीय महत्व के मसलों पर गंभीर चर्चा नहीं हो पाती। विपक्षी दल दलित उत्पीड़न और किसानों की समस्याओं अथवा अन्य किसी मसले पर या तो सदन में चर्चा कर सकते हैं या फिर हंगामा। यह भी संभव नहीं कि एक ही मसले पर सभी बोलना भी चाहें और कोई भी तय समय में अपनी बात खत्म करने के लिए तैयार भी न हो। यह विचित्र है कि मायावती एक ओर खुद को दलित समाज का सबसे बड़ा नेता साबित करना चाह रही हैं और दूसरी ओर पलायनवादी प्रवृत्ति का परिचय भी दे रही हैं। क्या वह अपने समर्थकों को निराश नहीं कर रही हैं? शायद उनका इरादा इस्तीफा देने का कम और अपने समर्थकों का ध्यान अपनी ओर खींचने का अधिक है। उन्होंने अपने इस्तीफे में जैसी भाषा का इस्तेमाल किया और जैसे आरोप लगाए उसे देखते हुए इसमें संदेह है कि उनका त्यागपत्र स्वीकार होगा। यह मानने के भी पर्याप्त कारण हैं कि उनका असली मकसद अपने कथित इस्तीफे के जरिये अपने समर्थकों को राजनीतिक संदेश देना है। हो सकता है कि वह इसमें सफल हो जाएं, लेकिन ऐसा होना जरूरी भी नहीं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि हाल के वर्षों में उनके तौर-तरीकों से बसपा के प्रतिबद्ध समर्थक उनसे छिटके हैं। यदि वह सचमुच राज्यसभा सदस्यता छोड़ देती हैं तो कहना कठिन है कि उनका यह त्याग उन्हें नए सिरे से पहले जैसी राजनीतिक ताकत देगा।

## सुविचार

जीवन सौन्दर्य से भरपूर है।
इसे देखें, महसूस करें, इसे पूरी तरह से जीएं, और अपने सपनों की पूर्ति के लिए पूरी कोशिश करें।

# सद्भाव के संदेश की अनदेखी

**कश्मीर** में अमरनाथ के दर्शन कर रहे लौट रहे तीर्थयात्रियों पर आतंकी हमले की घटना के बाद देश में रोष और आक्रोश का वैसा ही उबाल दिखा जैसा अपेक्षित था, लेकिन इस पर लोगों का ध्यान कम ही गया कि इतनी भयावह घटना के बाद अपवाद के तौर पर हिसार की एक अप्रिय घटना के अलावा में देश में कहीं पर भी सांप्रदायिक सद्भाव को चोट पहुंचाने वाली कोई वारदात नहीं हुई। हिसार में कुछ अराजक तत्वों ने एक इमाम से जबरन भारत माता की जय कहलवाने की कोशिश की और इस दौरान उससे हाथापाई की। हो सकता है कि सांप्रदायिक बैर जनित कोई और भी घटना हुई हो, लेकिन मीडिया और सोशल मीडिया में उसका उल्लेख नहीं दिखा तो इस नतीजे पर पहुंचा जा सकता है कि हिसार की घटना अपवाद रही। यह मामूली बात नहीं। यह सामाजिक सद्भाव की मजबूत जड़ों के साथ आम जनता की परिपक्व होती सोच का परिचायक है। एक सौ तीस करोड़ आबादी वाले देश में जहां मीडिया के एक हिस्से के साथ सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ लोग यह साबित करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम कर रहे हैं कि देश में मार-काट सी मची है और सांप्रदायिक सद्भाव छिन्न-भिन्न होने के साथ दलितों एवं अल्पसख्यकों की जान पर बन आई है वहां यह उल्लेखनीय है कि कश्मीर में इतनी बड़ी घटना के बाद वैसा कुछ नहीं हुआ जैसा कई दशक पहले हो जाया करता था।

इसमें संदेह नहीं पिछले कुछ समय से सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का काम वे घटनाएं भी कर रही हैं जो कथित तौर पर गौरक्षकों की ओर से अंजाम दी जा रही हैं। इन घटनाओं के चलते कुछ लोग भीड़ की हिंसा के खिलाफ कानून बनाने की मांग करने लगे हैं। पहली नजर में यह एक उचित मांग जान पड़ती है, लेकिन सच यह है कि किसी नए कानून से ज्यादा जरूरी अराजक भीड़ से निपटने में राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव को दूर करने की है। यदि राज्य सरकारें और पुलिस चाह ले तो आसानी से हर तरह के असामाजिक तत्वों की अराजकता पर लगाम लग सकती है। भीड़ की हिंसा के खिलाफ कानून बनाने की मांग ठीक वैसी ही है जैसे एक समय ऑनर किलिंग के खिलाफ कानून बनाने को लेकर की जाती थी। इसका कोई औचित्य नहीं था, क्योंकि हत्या तो हत्या है वह चाहे कथित तौर पर सम्मान की रक्षा के नाम पर हो या फिर बदला लेने के नाम पर। इसके पहले सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ कानून बनाने की मांग की गई थी। इस मांग ने इतना जोर पकड़ा कि संप्रग सरकार के समय एक विधेयक भी तैयार कर लिया गया था। यह प्रस्तावित विधेयक कानून का रूप नहीं ले सका तो अच्छा ही हुआ, क्योंकि यह सांप्रदायिक वैमनस्य को और बढ़ावा देने वाला साबित होता।

एक ऐसे समय जब मोदी सरकार अनावश्यक और अप्रासंगिक कानूनों को खत्म करने में जुटी है तब पुलिस को कुछ और कानूनों से लैस करने से ज्यादा जरूरी उपलब्ध कानूनों पर सही ढंग से अमल करने का है। निःसंदेह सभी गौरक्षकों को उग्र-अराजक नहीं कहा जा सकता, लेकिन यह भी सही है कि गौरक्षा के बहाने अराजकता का सहारा लेने वाले तत्व भी हैं और वे जब-तब बेलगाम भी हो जाते हैं। राजस्थान में पहलू खान और झारखंड में अलीमुद्दीन की हत्या गौरक्षकों की अराजकता का ताजा प्रमाण है। गौरक्षकों की शिकायत है कि पाबंदी और निषेध के बाद भी गायों के चोरी-छिपे वध का सिलसिला कायम है। यह शिकायत निराधार नहीं, लेकिन गौ हत्या के अपराध में किसी इंसान की हत्या भयानक है। गौरक्षकों के उत्पात की व्याख्या किस तरह की जा रही है, यह उन लोगों को जानना ज्यादा जरूरी है जो गायों

की रक्षा को लेकर सचमुच प्रतिबद्ध हैं। भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अन्य हिंदू संगठन इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि गाय के नाम पर हो रही हिंसक घटनाओं को किस तरह हिंदू आतंकवाद बताया जा रहा है। एक राष्ट्रीय पत्रिका के ताजा अंक की आवरण कथा का शीर्षक है-लिंच मॉब राष्ट्र! शायद वैचारिक रूप से दुराग्रही ऐसे ही लोगों ने लिंचिस्तान नामक नया शब्द गढ़ा है। वे न केवल हिंदू अतिवाद का प्रसार होते देख रहे हैं, बल्कि यह भी रेखांकित कर रहे हैं कि जैसे पाकिस्तान में ईशनिंदा का आरोप लगाकर किसी को भी आतंकित करना आसान है वैसे ही भारत में गोवध या गोतस्करी का आरोप लगाकर। ऐसे दुष्प्रचार का निदान केवल सद्भाव के वैसे संदेश के जरिये ही हो सकता है जैसा अमरनाथ यात्रियों पर हमले के बाद देश के आम लोगों की ओर से दिया गया जहां संयत प्रतिक्रियाएं ही देखने को मिलीं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के साथ-साथ गौरक्षा के प्रतिबद्ध अन्य संगठन अपने दानवीकरण की कोशिश से तनिक भी चिंतित हैं तो उन्हें गौरक्षकों के उत्पात की निंदा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। यह सही है कि गोवध-गोतस्करी के चलते पहले भी हिंसक घटनाएं होती रही हैं और समाज में कुछ तत्व अभी भी ऐसे हैं जिन्हें गोमांस में कुछ ज्यादा ही खूबी नजर आती है, फिर भी यह कहने से काम नहीं चलेगा कि पहले भी ऐसी घटनाएं होती रही हैं। यदि पहले जैसा होता रहा है वह अब भी होता रहता है तो फिर बदलाव कब होगा? ऐसे किसी तर्क से एक सीमा तक ही संतुष्ट हुआ जा सकता है कि ऐसी कोई घटना नहीं जिसमें गाय के नाम पर हुई हिंसा-हत्या के लिए जिम्मेदार तत्वों की गिरफ्तारी न हुई हो, क्योंकि ज्यादा जरूरी यह है कि ऐसी घटनाएं हों ही न। जितना आवश्यक यह है कि गोवध-गोतस्करी थमे उससे ज्यादा यह कि बेलगाम गौरक्षकों की हिंसा रुके। इससे ही कानून के शासन की रक्षा होगी और उस सद्भाव को भी बल मिलेगा जो सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने के साथ ही देश की साख बनाए रखने में सहायक है। गाय और गोमांस के नाम पर हो रही हिंसा-हत्या की घटनाओं पर प्रधानमंत्री ने एक बार फिर अपनी नाराजगी जताई है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि राज्य सरकारें चेती हैं। इससे अधिक दयनीय और कुछ नहीं कि राज्य सरकारें तमाम बदनामी के बाद भी सांप्रदायिक सद्भाव की महत्ता समझने से इन्कार करती दिख रही हैं।

असामाजिक तत्वों पर सख्ती से लगाम लगाना ऐसा कोई मामला नहीं जिसके लिए राज्य सरकारों को किसी आदेश-निर्देश की जरूरत पड़े, लेकिन बेहतर यही है कि केंद्रीय गृहमंत्रालय हर उस घटना का संज्ञान ले जो किस्म-किस्म के असामाजिक तत्वों की ओर से अंजाम दी जा रही हैं।

# राह से भटकते युवा

**इसे** सोशल मीडिया का कुप्रभाव कहें या फिर मां-बाप से बच्चों को मिलने वाले संस्कारों की कमी कि आज की युवा पीढ़ी अपने पथ से भटकती हुई प्रतीत हो रही है। गुस्से से लबरेज इस पीढ़ी में संयम कम होता जा रहा है। शायद यह खान-पान का भी असर है कि छोटी-छोटी बात पर ही युवा पीढ़ी पूरी तरह से आग - बबूला हो जाती है और बिना कुछ सोचे समझे ऐसे कदम उठा रही है कि जिससे मां-बाप को संताप डोलना पड़ता है। मंगलवार को भी एक ऐसा ही मामला पंजाब में सामने आया जिसमें पहले दो बहनों ने घर से भागने के लिए योजनागत तरीके से अफवाह फैला दी कि सेल्फी लेते वक्त दोनों की नहर में गिरकर मौत हो गई है जबकि वे पहुंच गई दिल्ली। वहां जब उनके पास पैसे खत्म हो गए तो वह अपना मोबाइल फोन बेचकर अमृतसर में अपने घर पहुंची। दरअसल दोनों लड़कियां फिल्मी कहानियों की तरह रातोंरात स्टार बनने के लिए नौकरी की तलाश में घर से भागी थीं लेकिन जब उन्हें हकीकत के थपेड़ों का सामना करना पड़ा तो उन्हें सिवाय घर के रास्ते के कोई और रास्ता दिखाई नहीं दिया। यह सब इसलिए हो रहा है कि वर्तमान में इंसान की जिन्दगी पैसों की दौड़ में इतनी तेज भागने लगी है कि उसके पास अपने बच्चों के पास बैठकर बात करने का भी वक्त नहीं है। एकल परिवारों में मां-बाप के बाहर नौकरी पर जाते ही बच्चे खुद को घर पर अकेला महसूस करते हैं और उनके खाली दिमाग में कई तरह की खुराफात आने लगती हैं। यही कारण है कि बच्चों में गुस्सा बढ़ रहा है और किसी कक्षा में फेल हो जाने पर वह मां-बाप की जरा सी डांट पर खुद को फंदे पर लटकाकर परिजनों को जिन्दगी भर रोने के लिए छोड़ जाते हैं। पहले संयुक्त परिवार होते थे तो बच्चे घरों में बड़े-बुजुर्गो से संस्कार सीखते थे और उनमें सहनशीलता होती थी। परंतु आज की पीढ़ी पूरी तरह से सोशल मीडिया और टीवी में डूबी हुई है। जो वह वहां से सीखती है उसे ही अपने जीवन में अपनाने की कोशिश करती है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि बच्चों के इस तरह के आचरण के लिए कहीं न कहीं उनके माता-पिता भी दोषी हैं। वह अपने बच्चों को मोबाइल तो थमा देते हैं परंतु यह चेक करना भूल जाते हैं कि वह मोबाइल का सदुपयोग कर रहे हैं या फिर दुरुपयोग। परिजनों को चाहिए कि वह बच्चों के लिए समय निकालें, उनके साथ बैठें उन्हें उनके जीवन में अच्छी व बुरी बातों का बोध कराएं। बच्चों की बात को सुनें और उनकी समस्याओं का निवारण करें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



### बीफ पर बोले पर्रिकर

# गोवा में नहीं होने देंगे कमी, जरूरत हुई तो कर्नाटक से मंगाएंगे

**पणजी।** बीफ को लेकर भले ही देश में बवाल मचा हो लेकिन गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर ने कहा है कि वो गोवा में इसकी कमी नहीं होने देंगे। उन्होंने इसके लिए उनकी सरकार ने कर्नाटक से इसे आयात करने का विकल्प खुला रखा है। पर्रिकर ने राज्य विधानसभा को यह जानकारी दी। विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन पर्रिकर ने एक प्रश्न के जवाब में कहा, 'हमने (कर्नाटक में) बेलगाम से बीफ आयात करने का विकल्प बंद नहीं किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यहां कोई कमी नहीं हो।' उन्होंने यह जवाब भाजपा विधायक नीलेश

कबराल के सवाल पर दिया। पर्रिकर ने कहा, 'मैं आपको भरोसा दे सकता हूं कि पड़ोसी राज्य से आने वाले बीफ की जांच उचित तरीके से और अधिकृत चिकित्सक द्वारा की जाएगी। यही नहीं यहां से करीब 40 किमी दूर पोंडा स्थित गोवा मीट कांप्लेक्स में सूबे के एकमात्र वैध बूचड़खाने में रोजाना लगभग 2,000 किलोग्राम बीफ तैयार होता है।' इस बीच, कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने पूर्व रक्षा मंत्री के इस बयान पर उनकी चुटकी ली है। उन्होंने कहा, 'गोवा के भाजपा सीएम कह रहे हैं कि वह राज्य में बीफ की कमी नहीं होने देंगे। यह अत्यधिक हास्यास्पद है।'

# नवाज ने किया रंग भेद का शिकवा

**मुंबई।** फिल्म 'मुन्ना माइकल' में चॉकलेटी हीरो टाइगर श्राफ के साथ बराबरी की भूमिका निभा रहे अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ट्वीट कर अपने सांवले रंग के कारण अपने साथ भेदभाव होने का आरोप लगाया है। 43 वर्षीय प्रतिभाशाली अभिनेता नवाजुद्दीन ने बिना किसी का नाम लिये ट्विटर पर अपनी एक पोस्ट में इस बात को लेकर किसी की ओर इशारा किया है। उन्होंने ट्वीट किया, 'मुझे ये अहसास कराने का शुक्रिया कि मैं गोरे व हैंडसम व्यक्ति के साथ पर्दे पर जोड़ी नहीं बना सकता क्योंकि मैं देखने में अच्छा नहीं और सांवला हूं। लेकिन मैं इन बातों पर कभी ध्यान नहीं देता।' नवाज का यह ट्वीट फिल्म 'बाबूमोशाय बंदूकबाज' के कास्टिंग डायरेक्टर संजय चौहान के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया मालूम पड़ती है। हाल ही में चौहान ने फिल्म अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह के फिल्म छोडने पर कहा था कि वह एक नयी हीरोइन की तलाश में हैं जो नवाजुद्दीन सिद्दिकी के लुक और पर्सनालिटी को सूट करे। उल्लेखनीय है कि पिछले ही साल नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म इंडस्ट्री को यह कहकर धन्यवाद दिया था कि उसने रूप-रंग से ऊपर हुनर को रखा है।

## महिला ने बेटी को मारा फिर खुद भी लगा ली फांसी

**मुंबई।** मुंबई के बदलापुर में 31 साल की एक महिला ने बेटी की जान लेने के बाद खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। मामला सोमवार शाम का है। जांच में सामने आया है कि महिला और उसकी बेटी को टीबी है और वो इसी बात को लेकर परेशान थी। जिसके चलते उसने छह साल की बेटी को मारने का बाद खुदकुशी कर ली।

पुलिस ने बताया कि शमल महेश काले नाम की 31 साल की महिला ने इश्वरी नाम की अपनी बेटी को मारने के बाद आत्महत्या की। दोनों को ही टीबी था और इसको लेकर वो परेशान थी। बेटी को टीबी की बात सामने आने के बाद शमल डिप्रेशन में थी। शमल के पति ने बताया कि सोमवार शाम को 7:30 बजे वो डॉक्टर के पास से घर लौटी थी। बाद में जब उसका पति आया तो बेटी और पत्नी को मृत पाया। इसके बाद उसने पड़ोसियों और पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने आकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

## मनोधैर्य के तहत पीड़िता को 25% राशि का तत्काल चेक

**मुंबई।** मनोधैर्य योजना के मापदंड में बदलाव को राज्य मंत्रिमंडल में मंजूरी दी गई। सरकार ने बलात्कार, एसिड हमले की शिकार महिलाओं और यौन शोषण के शिकार पीड़ित बालकों को आर्थिक मदद देने संबंधी मापदंड को बदला है।

राज्य की महिला व बाल विकास मंत्री पंकजा मुंडे ने बताया, मनोधैर्य योजना के बदले हुए मापदंड के अनुसार 31 दिसंबर 2009 से पात्र लाभार्थी पीड़िता को लाभ मिल सकेगा। मंत्री ने बताया, पीड़िता को मिलने वाले 10 लाख रुपए की मदद में से 75 प्रतिशत राशि 10 साल के लिए पीड़िता के नाम पर फिक्स डिपॉजिट कर दी जाएगी। जबकि 25 प्रतिशत राशि का धनादेश तत्काल पीड़िता को दिया जाएगा। राज्य में फिलहाल मनोधैर्य योजना के तहत पीड़िता को 2 लाख रुपए और विशेष मामले में 3 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दी जा रही थी। इस योजना के तहत जिलाधिकारी के बजाय अब जिला विधि सेवा प्राधिकारी को आर्थिक सहायता मंजूर करने का अधिकार प्रदान किया गया है। इससे पहले बांबे हाईकोर्ट ने गोवा राज्य कि तर्ज पर मनोधैर्य योजना की राशि बढ़ाने का आदेश दिया था।

इसके बाद विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान विधान परिषद में मंत्री पंकजा ने पीड़िताओं को दस लाख रुपए तक की आर्थिक मदद देने की घोषणा की थी। राज्य में अनुसूचित जाति और नवबौद्ध (बौद्ध धर्म) किसानों को ड्रिप सिंचाई के लिए 50 हजार और स्प्रे सिंचाई (तुषार सिंचाई) के लिए 25 हजार रुपए तक अनुदान दिया जाएगा। मंगलवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। राज्य में अनुसूचित जाति और नवबौद्ध किसानों के लिए डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कृषि स्वावलंबन योजना चलाई जाती है।

इस योजना के तहत अनुसूचित जाति-जनजाति और नवबौद्ध किसानों को ड्रिप सिंचाई के लिए 90 प्रतिशत तक अनुदान या फिर 50 हजार और स्प्रे सिंचाई के लिए 25 हजार रुपए। इसमें से जो कम होगा उस राशि को अनुदान के रूप में मंजूर किया जाएगा।

## बेनामी संपत्ति: 10 साल पुराना रिकॉर्ड खंगाल रहा है आयकर विभाग

**मुंबई।** सरकार बेनामी संपत्ति के संबंध में पिछले 10 वर्षों के रिकॉर्ड खंगालने की तैयारी कर रही है। खबर के मुताबिक देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने संपत्ति को पंजीकृत करने वाले सब-रजिस्ट्रार्स और तहसीलदारों से बीते दस वर्षों के दौरान उन सभी संपत्ति सौदों की जानकारी मांगी है जिनकी कीमत एक करोड़ रुपए या इससे ज्यादा है। मुंबई और इसके शहरों में कुल 25 रजिस्ट्रार कार्यालय हैं, एक अनुमान के मुताबिक हर वर्ष इन कार्यालयों में 45 हजार से लेकर 50 हजार तक की संपत्तियां पंजीकृत होती हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट यह जानना चाहता है कि कहीं पंजीकृत होने वाली संपत्तियां बेनामी तो नहीं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्लैकमनी को ठिकाने लगाने के लिए लोग ज्यादातर प्रॉपर्टी में ही निवेश करते हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पूरी जानकारी लेने के बाद जांच करेगा कि जिसके भी नाम पर संपत्ति है क्या वह असल में उसका खरीदार भी है, या नहीं। डिपार्टमेंट संपत्ति और उसके मालिक को लेकर संदेह की स्थिति में पूरे मामले की जांच कर सकता है। जांच में बेनामी संपत्ति निकलने है पर कानून के तहत विभाग उस मामले में कार्रवाई करेगा।

**क्या होती है बेनामी संपत्ति?**

ऐसी संपत्ति जो बिना नाम की होती है उसे बेनामी संपत्ति कहते हैं। इसके तहत लेनदेन उस शख्स के नाम पर नहीं होता जिसने संपत्ति के लिए कीमत चुकाई है, बल्कि यह किसी अन्य शख्स के नाम पर होता है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

**'जग्गा जासूस' की एक्ट्रेस ने की...**

गुरुग्राम के सुशांत लोक में बिदिशा ने सोमवार रात पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। 30 साल की बिदिशा शादीशुदा थीं। हाल ही वो मुंबई से गुरुग्राम आई थीं और दो दिन पहले ही गुरुग्राम के सुशांत लोक में पति के साथ शिफ्ट हुइ थीं। पुलिस को बिदिशा के शव को पास कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के पीआरओ रविंद्र कुमार ने बताया, बिदिशा के पिता ने आरोप लगाया है कि मेरी बेटी का पति रोज उसे मानसिक रुप से प्रताड़ित करता था। जिससे तंग आकर उसने खुदकुशी कर ली। सुशांत लोक थाना में सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज किया जा चुका है। वहीं, पुलिस उपायुक्त (पूर्व) दीपक सहारन ने बताया, बेजबरुआ अपने किराए के आवास पर पंखे से लटकी हुई पाई गई। उन्होंने यह आवास हाल ही में किराए पर लिया था। उन्होंने बताया कि अभिनेत्री के पिता ने उनको सूचित किया कि वह फोन नहीं रिसीव कर रही है। सहारन ने बताया, उसके पिता को कुछ अनहोनी की आशंका हो गई थी क्योंकि वह सोमवार शाम से फोन नहीं रिसीव कर रही थी। उन्होंने पुलिस से संपर्क कर उसका स्थानीय पता साझा किया।' उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने मुख्यद्वार को अंदर से बंद पाया। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो उसे पंखे से लटका हुआ पाया। सहारन ने बताया, पीड़िता के पिता ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि बेजबरुआ ने प्रेम विवाह किया था लेकिन पति से अक्सर उसकी लड़ाई होती रहती थी। जांच दल उसके मोबाइल फोन, फेसबुक और सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट की बातचीत की जांच कर रही है। सहारन ने कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर हम बयान दर्ज करने के लिए उसके पति को बुलाएंगे। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने बिदिशा के पति निशित झा पर खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। पुलिस बिदिशा के फेसबुक और व्हाट्सऐप की जांच कर रही है। इस बीच असम के मुख्यमंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से केस की जांच करने की मांग की है।

**देशभक्ति हमारे खून में है :...**

इतिहास गवाह है कि मुस्लिम कौम के कई बंदों ने आजादी के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी थी, फिर क्यों हमें शक की निगाहों से देखा जाता है, हमसे देश भक्त होने का सबूत मांगा जाता है। उन्होंने आगे कहा की हमें गर्व है कि हम मुसलमान है और वतन पर कुर्बान होने का ज्जबा हमारे खून में है। इसे दिखाने की जारुरत नहीं। विधायक आसिम अहमद खान जब अपने जजबातों से विधानसभा को रूबरू करा रहे थे तो उस समय वहां पूरी तरह से खामोशी छा गई थी, उनकी बातों को लोग गंभीरता से सुन रहे थे। विधायक आसिम अहमद खान ने जब अपने ओजस्वी भाषण को विराम दिया तब लोगों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया।

**आरजे पर बीएमसी की...**

इसमें मलिष्का के बांद्रा स्थित घर में मलेरिया के लार्वा मिलने की बात लिखी गई है। बीएमसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि, आरजे के घर में छापे के दौरन मलेरिया के लार्वा मिले थे। एडीज मच्छरों की ब्रीडिंग का भी पता चला है। ये मच्छर एक बड़े से बर्तन में पैदा हो रहे थे। यह नोटिस आरजे की मां लिली मेंडोसा को थमाया गया है। इस आलोचना से परेशान शिवसेना पार्षद समाधान सरवणकर और अमेय घोले ने बीएमसी कमिश्नर अजोय मेहता से मलिष्का के खिलाफ 500 करोड़ का मानहानि का दावा करने को कहा है। उनका कहना है कि मलिष्का ने इंटरनेशनल लेवल की बीएमसी को बदनाम किया है। शिवसेना ने शुरू में तो मलिष्का के वीडियो को नजरअंदाज किया, लेकिन जब लोगों ने इस पर सवाल पूछना शुरू किया तो शिवसेना की पार्षद किशोरी पेडणेकर ने मलिष्का पर पैसे लेकर गाना गाने का आरोप लगाया।

## राज्यसभा में मॉब लिंचिंग पर बहस, नरेश अग्रवाल ने अपने बयान पर जताया खेद

मॉब लिंचिंग पर राज्यसभा में बहस के दौरान सपा सांसद नरेश अग्रवाल के विवादित बयान के बाद मचे हंगामें के चलते राज्यसभा की कार्यवाही को दो बार स्थगित किया गया। हालांकि नरेश अग्रवाल के बयान को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है और सपा सांसद ने अपने बयान पर खेद प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि अगर उनके बयान से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं अपना बयान वापस लेता हूं। उन्होंने कहा कि मेरी भी श्रीराम पर आस्था है। वहीं रामगोपाल यादव ने कहा है कि नरेश अग्रवाल अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगेंगे। इससे पहले संसद में आज विपक्षी दलों ने किसानों और मॉब लिंचिंग की घटनाओं का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने आरोप लगाया कि भीड़ द्वारा की जा रही घटनाओं को अंजाम देने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है।

लोकसभा में विपक्षी दलों ने कार्यवाही की शुरूआत होते ही किसानों की आत्महत्या का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि किसानों की समस्या सर्वव्यापी है। सरकार इस पर मौन है। किसानों को कीमत मिलने के बजाय गोलियां दी जा रही हैं।

## राहुल ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

### कहा किसानों के लिए एक मिनट नहीं

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने आज राजस्थान में कांग्रेस के किसान आक्रोश आंदोलन की शुरूआत की है। इस आंदोलन के जरिए कांग्रेस पूरे देश में हो रही किसानों की खुदकुशी का मुद्दा उठाएगी, यह आंदोलन पूरे देश में चलेगा। इस मौके पर राहुल गांधी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में किसान रैली को संबोधित भी किया। यहां उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोकसभा में हम किसानों के मुद्दे पर बोलना चाहते थे। प्रधानमंत्री भी सदन में मौजूद थे, लेकिन हमें बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने भाजपा पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि जीएसटी के लिए रात 12 बजे पार्लियामेंट खोला जाता है, लेकिन किसानों के लिए एक मिनट बात नहीं करने देते। राहुल ने कहा

कि कांग्रेस ने पंजाब और कर्नाटक में किसानों का कर्ज माफ किया, तो भाजपा ने कांग्रेस से डर कर यूपी में कर्जमाफी की। उन्होंने कहा, राजस्थान में भी कांग्रेस यूपी की तरह दबाव बनाकर किसानों का कर्ज माफ करवाएगी। वही GST के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए राहुल ने कहा कि बड़े कारोबारियों को जीएसटी से कोई समस्या नहीं, वे तो 10 अकाउंटेंट रख लेंगे और उनसे जितनी चाहो फॉर्म भरवा लेंगे। लेकिन छोटे कारोबारियों को इससे नुकसान होगा। हमने सरकार को सलाह दी थी कि जीएसटी को इस तरह हड़बड़ी में लागू नहीं करें, लेकिन उन्होंने हमारी सुनी ही नहीं। राहुल ने कहा, ह्मपीएम मोदी ने आपके ऊपर पूरा टैक्स डिपार्टमेंट खोल दिया है। राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष सचिन पायलट ने इस बारे में कहा कि राजस्थान में पिछले काफी समय से किसान लगातार खुदकुशी कर रहे हैं, सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए है। यही कारण है कि हम लोग ये आंदोलन कर रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक ये आंदोलन पहले राजस्थान में लॉन्च होगा, इसके बाद सभी प्रदेशों में इस प्रकार का आंदोलन किया जाएगा। इसमें रैली के अलावा किसान महापंचायत का भी आयोजन किया जाएगा।

## किसानों की जमीन की कुर्की नहीं होगी

कृषि मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा कि जिन किसानों ने ऋण लिया है, उस जमीन की नीलाम नहीं होगी, न ही इसकी कुर्की होगी। किसी भी सहकारी या अन्य बैंक को इसके लिए किसी तरह के निर्देश नहीं दिए गए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मामले में रोक के निर्देश पहले ही दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में कम बारिश हुई है वहां के किसानों के लिए चिंता की स्थिति है। सरकार भी इसको लेकर चिंतित है और कृषि विशेषज्ञों के साथ इस पर चर्चा कर रहे हैं कि कैसे किसानों की फसल सुरक्षित रखी जा सकती है? जल्द ही इस बारे में सरकार कुछ सुझाव दे सकती है। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस के दो विधायकों ने अपने सवालों के गलत जवाब आने पर सरकार पर आरोप लगाए। ग्वालियर के भितरवार से विधायक लाखन सिंह यादव ने फीडर सेप्रेरेशन योजना के क्रियान्वयन में गुणवत्तायुक्त काम न होने की बात कहते हुए कहा कि जिन दो कंपनियों से यह काम कराया गया है उन्होंने ठीक काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सरकार उनके क्षेत्र के गांव रूठयाई, डोढ़ा समेत कुछ गांवों में काम पूरा होने की बात अपने जवाब में कह रही है, लेकिन इन गांवों में कोई काम ही नहीं हुआ। इस पर मंत्री पारस जैन ने कहा कि वे विधायक की बात की जांच करा लेंगे और जांच दल में विधायक को भी शामिल करेंगे। इसी तरह कांग्रेस विधायक गिरीश भंडारी ने ग्रामीण बस्तियों, मजरे टोलों में विद्युतीकरण से जुड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि इस संबंध में मेरे दो सवालों में अलग-अलग जवाब आए हैं। उन्होंने कहा कि एक सवाल के जवाब में काम पूरा होने की बात कही गई है, वहीं दूसरे सवाल के जवाब में बताया गया है कि काम चल रहा है। इस पर विस अध्यक्ष ने कहा कि एक सवाल उनका फीडर सेप्रेरेशन से जुड़ा है और दूसरा विद्युतीकरण से। दोनों सवाल अलग है इसलिए जवाब भी अलग-अलग हैं। विधानसभा में बीएसपी विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार समेत अन्य विधायक एप्रिन पहनकर पहुंचे। इनके द्वारा पहने गए एप्रिन पर किसानों से संबंधित मांगें लिखी थीं। विधायक सिकरवार ने इस दौरान कहा कि मंदसौर में किसानों पर गोली चलाई गई, किसानों की हत्या की गई। यह सरकार की जिम्मेदारी है। इसलिए मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। एप्रिन पर भूमि अधिग्रहण, मुआवजा के मुद्दे लिखे हुए थे। इस बीच उन्होंने कहा कि किसान विरोधी सरकार नहीं चलेगी, किसानों के फर्जी बिल माफ करो, किसानों के कर्ज माफ करो, किसानों पर दर्ज प्रकरण वापस लो तथा किसानों के हत्यारों को फांसी दो के नारे भी लगाए गए।

## अरुणाचल-नगालैंड बाढ़ राहत के लिए केंद्र ने जारी किए 132 करोड़

केन्द्र सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ के संकट की समीक्षा करने के बाद अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में वित्त वर्ष 2016-17 में बाढ़ और भूस्खलन से हुये नुकसान की भरपाई के लिये सहायता एवं राहत राशि के रूप में 132 करोड़ रुपये जारी करने की अनुशंसा कर दी है। केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रालय की उच्च स्तरीय समिति की आज हुई बैठक में अरुणाचल प्रदेश के लिये 103.130 करोड़ रुपये जारी करने को मंजूरी दी गयी। इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कोष (एनडीआरएफ) द्वारा जारी किये गये 81.169 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी) के तहत 21.161 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। समिति ने नगालैंड के लिये 28.160 करोड़ रुपये जारी करने की अनुमित दी है। इसमें एनडीआरएफ से 25.129 करोड़ रुपये और एनआरडीडब्ल्यूपी के तहत 2.171 करोड़ रुपये शामिल हैं। बैठक में वित्त मंत्री अरुण जेटली, कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह, गृह सचिव राजीव महर्षि सहित मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी शामिल थे। इधर असम के सीएम सवार्नंद सोनोवाल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपने राज्य में बाढ़ के हालात के बारे में जानकारी दी।

सीएम ने पीएम को बताया कि बाढ़ की वजह से राज्य के 29 जिलों के 25 लाख लोग प्रभावित हुए हैं व 1,098 राहत शिविर और वितरण केंद्र बनाए हैं।

सोनोवाल ने कहा कि वैसे तो बाढ़ की भयावता कम हुई है, लेकिन 21 जिले अब भी बाढ़ की वजह से जलमग्न हैं और 60 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि राज्य में 5,000 किलोमीटर की दूरी तक सड़कों के विकास के लिए प्रधानमंत्री बाढ़ एवं भूक्षरण नियंत्रण विशेष कार्यक्रमज् शुरू किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोनोवाल को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार राज्य की मांगों पर सक्रियता से विचार करेगी।

# लोकसभा में मुलायम ने उठाया डोकलाम मुद्दा

डोकलाम मुद्दे पर भारत चीन सीमा पर तनातनी बनी हुई है डोकलाम का मुद्दा गरमाता जा रहा है आपको बता दे कि डोकलाम मुद्दे को लेकर भारत और चीन की सेना के बीच विवाद जारी है। वही चीन के साथ भूटान के क्षेत्र डोकलाम पर वल रहे विवाद में भारत की ओर से स्पष्ट संकेत हैं। कि वह पीछे नहीं हट सकता। इस मुद्दे पर भारत का स्टैंड साफ है। वहां पर चीन को सड़क बनाने नहीं दिया जाएगा। अब हालत यहां तक पहुंच गए है कि दोनों तरफ से सीमा पर हलचल तेज हो गई है। और भारत चीन सीमा से सटे पोस्टों पर दोनों तरफ से फौज की तैनाती ओर बढ़ गई है। हालांकि, भारत मुद्दे को सुलझाने में जुटा हुआ। भारत की तरफ जहां विदेश मंत्रालय बातचीत के जरिए मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहा है वहीं इस को लेकर भारत चौकन्ना भी है। वही चीनी मीडिया लगातार भारत को युद्ध की धमकियां दिए जा रहा है। अगर यदि युद्ध हुआ तो भारत को इस टकराव का परिणाम भुगतना पड़ सकता है। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि 16 जून को भारतीय सेना ने सिक्किम सेक्टर में बॉर्डर पारकर चीनी क्षेत्र में प्रवेश किया। भारत की यह कार्रवाई सीधे तौर पर चीनी संप्रभुता पर अतिक्रमण है। ग्लोबल टाइम्स की तरफ से चीन को कहा गया है कि यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो चीन को भारत का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए। लेख में 1962 के बाद भारत पर लगातार उत्तेजित करने का आरोप लगाया गया है। इसमें लिखा गया है कि चीन को भविष्य में होने वाले सभी तरह के टकरावों के लिए तैयार रहना चाहिए। वही चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि उन्होंने बीजिंग में विदेशी

राजनयिकों को डोकलाम में गतिरोध को लेकर जानकारी दी और वे भारतीय जवानों द्वारा चीनी क्षेत्र में अवैध रूप से दाखिल होने की घटना को जानकर स्तब्ध हो गए। वही चीन ने इस डोकलाम मुद्दे पर तनाव से बढ़ाने से बचने के लिए भारत को डोकलाम में अपने आर्मी को हटाने की चेतावनी दी।

**वही मुलायम ने लोकसभा में उठाया भारत चीन सीमा विवाद**

पूर्व रक्षा मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने लोकसभा में चीन के साथ विवाद का मुद्दा उठाया है। डोकलाम पर चीन से विवाद के बीच मुलायम सिंह यादव ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा दुश्मन चीन है और पाकिस्तान भारत का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है मुलायम ने कहा है कि चीन भारत पर हमले की तैयारी कर चुका है। हमारे विरोध के बाद भी तिब्बत चीन के हाथों सौंप दिया गया। अगर चीन अब हमला करेगा तो तिब्बत के रास्ते ही करेगा। काफी दिनों बाद पुराने अंदाज में दिखे मुलायम ने कहा कि हमें तिब्बत की आजादी का मुद्दा उठाना चाहिए। चीन और पाकिस्तान हमें कश्मीर के मुद्दे पर घेरने की कोशिश कर रहा है। इसके साथ ही पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव ने कहा कि चीन भूटान पर कब्जा कर रहा है भूटान की रक्षा करना हमारी जिम्मदारी है। वही चीन तिब्बत की सीमा पर चीन युद्धाभ्यास कर रहा है।

**जानिए , क्या है भारत चीन विवाद का पूरा मामला**

› दोनों देशों के बीच 3,500 किमोलीटर (2,174 मील) लंबी सीमा है।

› भारत और चीन चुंबी घाटी के इलाके में आमने-सामने है, जहां भारत-भूटान और चीन तीन देशों की सीमाएं मिलती हैं। डोकलाम पठार चुंबी घाटी का ही हिस्सा है जहां भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ है।

› इस पूरे विवाद से भारत की चिंता इस बात को लेकर है इस इलाके से चीन की तोपें चिकेन्स नेक कहे जाने वाली इस संकरी पट्टी के बेहद करीब तक आ सकती हैं। जो उत्तर पूर्व को पूरे भारत से जोड़ती है।

› डोकाला पठार से सिर्फ 10-12 किमी पर ही चीन का शहर याडोंग है। जो हर मौसम में चालू रहने वाली सड़क से जुड़ा है डोकाला पठार नाथूला से सिर्फ 15 किमी की दूरी पर है।

› भूटान सरकार भी डोकाला इलाके में चीन की मौजूदगी का विरोध कर चुकी है, जो कि जोम्पलरी रिज में मौजूद भूटान सेना के बेस से बेहद करीब है।

› जून की शुरूआत में चीनी वर्कारों ने याडोंग से इस इलाके में सड़क को आगे बढ़ाने की कोशिश की, जिसकी वजह से ठीक इसी इलाके में भारतीय जवानों ने उन्हें ऐसा करने से रोका।

## भारतीय रेलवे में World bank 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा

भारतीय रेलवे में बड़े सुधार का ब्लूप्रिंट तैयार करने में World bank मदद करेगा, जिसके लिए वह 5 लाख करोड़ का निवेश करने को तैयार है। World bank ऐसा इसलिए करना चाहता है ताकि अंग्रेजों के जमाने के इस ट्रांसपोर्ट को स्ट्रेटेजिक प्लेटफॉर्म में बदला जा सके ताकि यह एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को सहारा दे सके।

**क्या करेगा World bank**

World bank दुनिया के चौथे सबसे बड़े और 164 साल पुराने रेलरोड नेटवर्क के साथ पार्टनरशिप करके इन्वेस्टमेंट, प्लानिंग, डिजिटाइजेशन और टेक्नॉलजी डिवेल्पमेंट में मदद करेगा। इसके अलावा, रेलवे यूनिवर्सिटी और रेल टैरिफ अथॉरिटी स्थापित करने में भी बैंक का सहयोग मिलेगा।

World bank, जिसने पूर्वी रेलवे के साथ पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजक्ट को फाइनेंस करने का काम किया है वो अब 2 से 3 साल तक चलने वाले इस बदलाव अभियान के लिए एडवाइजरी सर्विसेज और प्रोग्राम मैनेजमेंट कंसल्टेंसी मुहैया कराएगा। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें इस व्यवस्था की जरूरत थी ताकि हमारी क्षमताओं का निर्माण हो सके और हम मिशन मोड के साथ प्रोजक्ट्स को डिलीवर कर पाएं। रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने अगले चार वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ रेलवे को बदलने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। रेलवे अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए इस साल 1.31 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगा।

## उप सभापति ने मायावती से की इस्तीफा वापस लेने की अपील

राज्यसभा के उप सभापति पी जे कुरियन ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की नेता मायावती द्वारा इस्तीफा दिए जाने से सदन में कोई भी खुश नहीं है और वह उनसे इस्तीफा वापस लेने की अपील करते हैं। बसपा के सतीश चन्द्र मिश्रा ने देश में अल्पसंख्यकों और दलितों की पीट-पीट कर हत्या के मुद्दे पर सदन में चल रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए मायावती को इस मुद्दे पर न बोलने देने का मामला उठाया और कहा कि इसके चलते उन्होंने सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। कुरियन ने कहा कि मायावती वरिष्ठ नेता हैं और वह उनका सम्मान करते हैं। उनके इस्तीफा देने से सदन में कोई भी खुश नहीं है और सदन का यह मानना है कि वह अपने निर्णय पर फिर से विचार करें और इस्तीफा वापस ले लें। विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने भी कहा कि बसपा नेता को अपना इस्तीफा वापस ले लेना चाहिए। हालांकि उप सभापति द्वारा सत्ता पक्ष की राय पूछे जाने पर संसदीय कार्य राज्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यह बसपा का आंतरिक मामला है। उप सभापति ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह सब प्रकरण गलतफहमी के चलते हुए हुआ। स्थिति स्पष्ट करते

हुए कुरियन ने कहा कि कल सदन में जब उन्होंने कुमारी मायावती को खड़े देखा तो उन्हें लगा कि बसपा नेता को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए और चूंकि वह उनका सम्मान करते हैं इसलिए उन्होंने विपक्ष के नेता के बोलने के अनुरोध को दरकिनार करते हुए मायावती को तीन मिनट के लिए बोलने को कहा। कुरियन ने कहा कि इसके बाद उन्हें विपक्ष के नेता को बोलने का मौका देना था जिसके बाद इस मुद्दे पर नियम 267 के तहत बहस शुरू होनी थी। उन्होंने कहा कि इसलिए यह कहना सही नहीं है कि नियम 267 के तहत बसपा नेता को केवल तीन मिनट बोलने का मौका दिया गया। इससे पहले मिश्रा ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए अपनी नेता के नाम से नियम 267 के तहत नोटिस दिया था जिसमें यह भी लिखा था कि इस मुद्दे पर पार्टी की ओर से वही अपनी बात रखेंगी लेकिन उन्हें केवल दो मिनट 9 सेकेंड बोलने दिया गया जिससे क्षुब्ध होकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि मायावती को यहां बोलने से रोक दिया गया लेकिन सरकार उन्हें देश भर में बोलने से नहीं रोक सकती। मिश्रा ने कहा कि मीडिया में जोर-शोर से प्रचारित किया जा रहा है कि मायावती ने इस्तीफे का पत्र इस तरह से दिया है जिससे कि उसे स्वीकार नहीं किया जा सके। उन्होंने कहा वह सभी को बताना चाहते हैं कि मायावती राज्यसभा सचिवालय की प्रक्रिया के अनुसार ही इस्तीफा देंगी और वह उन नेताओं में से नहीं हैं जिनकी कथनी और करनी अलग-अलग होती है।

# चीन में धर्म छोड़ने का आदेश

चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने एक विवादित कदम उठाते हुए अपने लगभग 9 करोड़ सदस्यों को निर्देश दिया है कि वे पार्टी की एकजुटता बनाए रखने के लिए धर्म छोड़ दें। पार्टी ने सदस्यों को चेतावनी देते हुए कहा है कि धार्मिक विश्वास कैडरों के लिए एक लक्ष्मण रेखा है और जो लोग इस निर्देश का उल्लंघन करेंगे, उन्हें दंडित किया जाएगा। चीन में धार्मिक मामलों के शीर्ष नियामक के प्रमुख ने कहा कि पार्टी सदस्यों को धर्म में यकीन नहीं करना चाहिए और जिन लोगों के धार्मिक विश्वास हैं, उन्हें इसका त्याग करने के लिए कहा जाना चाहिए। आधिकारिक मीडिया की ओर से बुधवार को आई खबर के अनुसार, विशेषज्ञों ने कहा कि यह निर्देश पार्टी की एकजुटता को बनाए रखने के लिए है।

**नास्तिक मार्क्सवादी होना जरूरी**

स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर रिलीजियस अफेयर्स के निदेशक वांग जुओआन ने शनिवार को क्युशुशी जर्नल में छपे एक लेख में लिखा, 'पार्टी सदस्यों को धार्मिक विश्वास नहीं रखने चाहिए। यह सभी सदस्यों के लिए एक लक्ष्मण रेखा है। पार्टी सदस्यों को कड़े मार्क्सवादी नास्तिक होना चाहिए। उन्हें पार्टी के नियमों का पालन करना चाहिए और पार्टी में यकीन रखना चाहिए। उन्हें धर्म में यकीन रखने की अनुमति नहीं है।

जिन अधिकारियों का यकीन धर्म में हैं, उन्हें इसे छोड़ने के लिए राजी किया जाना चाहिए। जो लोग ऐसा करने का विरोध करते हैं, उन्हें पार्टी संगठन की ओर से दंडित किया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# बिहार में शराबबंदी से पुलिस और होम डिलीवरी करने वालों की चांदी

**पटना/धर्मेंद्र कुमार।** बिहार में शराबबंदी मजाक बन कर रह गई है। सरकार कहती है कि प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी लागू हैं जबकि हर जिले में प्रतिदिन भारी मात्रा में देशी विदेशी शराब जब्त हो रही है। बिहार के लोग शराब पीते नहीं हैं तो पष्चिम बंगाल, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा आदि प्रांतों से ट्रक के ट्रक शराब बिक्री के लिए बिहार कैसे आ रही है। सच तो यह है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी के नाम पर ब्लैक से शराब बेचने वालों के लिए नया धंधा शुरू करवा दिया है। जो शराब की बोतल पहले 4 सो रुपए में मिलती थी, अब वह 8 सौ से लेकर 12 सौ रुपए में मिल रही है। यह कैसी शराबबंदी है, जो ब्लैक में हर शहर,गली-मुहल्ले, गांव-देहात में मिल जा रही है।

अच्छी कमाई को देख कई लोग इस धंधे में उतर गये हैं, और मनमानी कीमत पर लोगों को होमडिलीवरी कर रहे हैं। जिनमें कुछ नेता तो कुछ पुलिस वाले भी शामिल हैं। थाने में जब्त करके रखी गई शराब को पुलिस वाले मनचाहे कीमत पर बेच दे रहे हैं बिहार में शराब पीने के लिए चूहे तो बदनाम हैं ही। आरोप चूहे पर लगा कर पैसा पुलिस की जेब में चला जा रहा है। गत मई महीने में प्रदेश भर में जब्त 90 लाख लीटर शराब मालखाने से गायब पायी गयी। पटना के वरीय आरक्षी अधीक्षक मनु महाराज ने जब मालखाने का निरीक्षण किया तो उन्हें बताया गया कि शराब तो चूहे पी गयें। मालखाने में कुछ बोतलें टूटी हुई मिली तो कुछ खाली। बाद में बची हुई शराब पर बुलडोजर चला कर नश्ट कर दी गई। कहीं कहीं पर गटर, नाली में बहा कर शराब को नष्ट किया गया।

समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड के सिंघिया घाट उत्तर में मध्य रात्रि के समय नींद में सोये लोगों पर पुलिस का कहर इस कदर ढाया गया कि लोगों में खासकर महिलाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। पहली घटना राम टोले के कई परिवार के घर में घुसकर पुलिस द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया जबरदस्ती बक्सों में लगे ताले को तोडकर तलाशी ली गई जब कुछ नहीं मिला तो घर के लोगों को गालियां दी गई। इन पीडित परिवार की महिलाओं ने बाद में रोसरा कोर्ट में अपनी व्यथा दर्ज कराई और न्याय की मांग की। दूसरी घटना सिंघिया घाट स्टेशन रोड की है जहां एक संगीतज्ञ विजय कुमार शाह के घर में रात्रि दो बजे पुलिस घुसती है और तलाशी लेती है। इस दौरान घर की महिलाएं खौफ से डर जाती हैं, जबकि पुलिस के पास न तो कोई सर्च वारंट था और न ही महिला पुलिस थी। पीडित परिवार के मुखिया विजय कुमार शाह ने पुलिस की इस कार्रवाई असंवैधानिक, अनुचित और वहशियाना बताते हुए प्रशासन और न्यायपालिका से न्याय की मांग की है।

बिहार में शराबबंदी यूं तो 1 अप्रैल 16 से लागू है लेकिन राज्य सरकार के इस निर्णय पर पटना हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दिए जाने के कारण राज्य सरकार ने कानून में संशोधन कर इसे 2 अक्टूबर 16 से लागू कर दिया। सच देखा जाए तो बिहार में शराबबंदी एक पॉलिटिकल ड्रामा के सिवा कुछ भी नहीं। नीतीश ने अपनी दूसरी पारी को बिहार को विशेश राज्य का दर्जा दिलाने के नाम पर पूरा किया था।

नीतीश जानते थे और जानते हैं कि बिहार को विशेश राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता फिर भी उन्होंने राज्य की जनता को गुमराह कर अपना पांच वर्ष किसी तरह पूरा कर लिया था। अब तीसरी पारी में उन्होंने शराबबंदी का मुद्दा उठा कर लोगों को भरमाना शुरू कर दिया है। बिहार में शराब को लेकर जो कानून बनाया गया है, उसे लोगों ने काला कानून कहा है। पहले लोगों को फंसाने के लिए कट्टा, पिस्टल,बम आदि का प्रयोग करते थे लेकिन अब उनकी जगह शराब की खाली और भरी बोतलों ने ले लिया है। किसी को भी गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को आज की तारीख में सबसे बड़ा हथियार दे दिया गया है शराब। शराबबंदी को लेकर पुलिस किसी के यहां छापा मार दे रही है। जबकि कई पुलिस के जवान खुद शराब पीने के जुर्म में गिरफ्तार हो चुके हैं।

कुल मिला कर बिहार में शराबबंदी एक पॉलिटिकल ड्रामा मात्र है। नीतीश कुमार अपने ड्रामा से पब्लिक को कहां और कब तक गुमराह करने में सफल होते हैं, यह समय बताएगा।

## संसद के कैंटीन के खाने में मकड़ी, वरिष्ठ अधिकारी बीमार

**नई दिल्ली।** संसद भवन के कैंटीन में संसद के सदस्यों और कर्मचारियों के लिए सस्ते खाने दिए जाते हैं। लेकिन संसद भवन स्थित कैंटीन के खाने में लापरवाही का एक नया मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, लोकसभा रिपोर्टिंग ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी मंगलवार दोपहर को संसद में खाना खाने गए जिसके बाद वहां का खाना खाते ही वे बीमार पड़ गए। बताया जा रहा है कि संसद भवन के कैंटीन में उन्होंने जो खाना ऑर्डर किया था उसमें मकड़ी पाया गया, जिसे खाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। श्रीनिवासन जिनके साथ ये हादसा हुआ ने कहा, भोजन के कुछ बाईट खाने के बाद मैंने उल्टियां करनी शुरू कर दी, जब मैंने देखा कि खाने में मकड़ी थी। मैंने इस संबंध में कैंटीन स्टाफ से भी शिकायत की। उन्होंने बताया कि उन्होंने खाने में पोंगल और दही चावल ऑर्डर किया था।

## प्रेमी युगल के साथ हैवानियत, दो आरोपी गिरफ्तार

**महराजगंज।** कोल्हुई थाना अंतर्गत स्थित एक जंगल में दो मनबढ़ युवकों ने प्रेमी युगल के साथ बेइंतहा हैवानियत की। प्रेमी व प्रेमिका को डंडे से पीट कर साथ सोने को मजबूर किया। आपत्तिजनक वीडियो बनाई और उसे वायरल कर दिया। एक सामाजिक व्यक्ति ने हैवानियत से भरी वीडियो आइजी को भेज दी। आइजी ने संज्ञान लिया और कड़ी फटकार लगाई तो मैनेज में जुटी पुलिस ने दो आरोपियों की गिरफ्तार कर लिया। आइजी ने मामले की जांच एएसपी आशुतोष शुक्ल को सौंपी है। आइजी के निर्देश पर एएसपी शाम को कोल्हुई पहुंच गए और जांच शुरू कर दी। महिला आरक्षी की उपस्थिति में पीड़िता का बयान लिया गया। एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी अपने प्रेमी के साथ दो दिन पहले घूमने जा रही थी। रास्ते में मनबढ़ युवकों ने दोनों को रोक लिया। नाम व पता के साथ रिश्ता पूछा। दोनों प्रेमी युगल हैं यह जानकर मनबढ़ युवकों ने प्रेमी-प्रेमिका को पहले डंडे से पीटा। डंडे के जोर पर प्रेमी युगल को जंगल में ले गए। जंगल में भी प्रेमी व प्रेमिका की पिटाई की गई। उसके बाद जमीन पर सोने को मजबूर किया। प्रेमी की पिटाई तब तक जारी रही जब तक प्रेमी ने प्रेमिका को निर्वस्त्र नहीं कर दिया। डंडे के जोर पर ही दोनों को साथ सोने पर मजबूर किया। यह वीडियो तीसरे दिन मंगलवार को आइजी जोन गोरखपुर के पास पहुंची तब मामला खुला।

## भाजपा नेता कृष्णा शाही की हत्या

**पटना।** हथुआ थाना के चैनपुर गांव निवासी तथा पंचायत की मुखिया शांता शाही के पति भाजपा नेता कृष्णा शाही का अपहरण होने की खबर से सनसनी फैल गयी, उसके बाद उनका शव आज दोपहर के बाद एक कुंए से बरामद हुई है। मृतक कृष्णा शाही बीजेपी के नेता थे। हत्या के बाद में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने आरोपितों के घर पर हमला कर दिया है। शव मिलने की सूचना मिलने के साथ ही पुलिस मौके पर पहुंची है और फिलहाल कैंप कर रही है। मामले की जांच के लिये पुलिस की दो अलग-अलग टीम गठित, फुलवरिया समेत कई ठिकानों पर हो रही छापेमारी। भाजपा नेता का शव बसवरिया मांझा गांव में स्थित एक मंदिर के पास के कुंए से बरामद किया गया है। इस खबर की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर कुंआ से शव निकालने को कहा है।

## मायावती फूलपुर से लड़ सकती हैं लोकसभा उपचुनाव

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा यूं ही नहीं दिया। दरअसल, यह उनका मास्टर स्ट्रोक है, जो विधानसभा चुनाव के बाद छितराते जा रहे दलित वोट बैंक को एकजुट करने में सफल साबित हो सकता है। दलितों में भारतीय जनता पार्टी के प्रति बढ़ता लगाव बसपा की बड़ी चुनौती है और ऐसे में उन्हें यह संदेश देना ही थी कि वह 'अपने लोगों के हित में कोई भी कुबार्नी दे सकती हैं। चर्चा जोरों पर है कि मायावती फूलपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद बसपा की बेचैनी को राष्ट्रपति चुनाव ने बढ़ा दिया। जाहिर है कि रामनाथ

कोविंद राष्ट्रपति बने तो दलितों के बीच पकड़ बनाए रखना बसपा के लिए आसान नहीं होगा। भाजपा को दलित विरोधी बताकर वोट बटोरने में भी मुश्किलें आएगी। एक और बड़ी चिंता दलितों के बीच भीम आर्मी सरीखे संगठनों की लोकप्रियता बढा भी है। सहारनपुर के शब्बीरपुर प्रकरण ने बसपा की जड़ों पर चोट किया है। उनके इस्तीफे को दलित वोटों को लेकर बाहरी व भीतरी हमलों का जवाब माना जा रहा है। दलित चिंतक डा.वीर सिंह का कहना है कि बसपा सुप्रीमो का राज्यसभा में कार्यकाल एक वर्ष से कम रह गया है और अपने बूते फिर सदस्यता हासिल करने की संभावना भी नहीं है। ऐसे में मायावती राज्यसभा से इस्तीफा देकर दलित हित के लिए बलिदानी भूमिका को कैश करना चाहेगी। इसका लाभ आने वाले दिनों में कितना मिलेगा यह कहना अभी जल्दबाजी है परंतु इतना तय है कि दलित उत्पीडन को लेकर सड़कों पर संघर्ष में मदद मिलेगी।

***दलित साथ रहे तो मुस्लिम भी जुड़ेंगे :*** *पिछले विधानसभा चुनाव में दलित मुस्लिम गठजोड़ भले ही कारगर नहीं हो सका परंतु बसपा रणनीतिकारों का मानना है कि भगवा ब्रिग्रेड के तेजी से बढ़ते प्रभाव को इसी समीकरण से रोका जा सकता है। बसपा के इस्लाम अंसारी का कहना है कि गत दोनों चुनावों में बसपा का वोट प्रतिशत अधिक कम नहीं हुआ है। दलितों में बड़ा हिस्सा अभी बसपा के साथ है परंतु पिछड़े और अतिपिछड़े वोट छिटक कर भाजपाई हो गए। उधर, मुस्लिमों में सपा का मोह भी बना रहा जिस कारण बसपा को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में बसपा के लिए दलितों में पकड़ बनाए रखना पहली जरूरत है। जानकारों का कहना है कि बसपा इस फामूर्ले पर दलितों को जोड़े रखने का हर जतन कर रही है ताकि 2019 नहीं तो 2022 में दलित मुस्लिम समीकरण मुफीद साबित हो सके।*

# एक ऐसा स्कूल जहां नहीं पढ़ता है कोई बच्चा

सरकारी स्कूलों का हाल कैसा है यह तो हम सभी जानते हैं। देश में एक ऐसा स्कूल भी है, जहां पढ़ाने के लिए टीचर्स तो हैं लेकिन पढ़ने वाला कोई नहीं। इसका नाम है गर्वमेंट अपर प्राइमरी संस्कृत स्कूल। ये स्कूल राजस्थान के सीकर जिले में प्रतापपुरा गांव में है। यह स्कूल बाकी स्कूलों से काफी अलग होता है। यहां काफी शांति बनी रहती है उसकी वजह है बच्चों का ना होना। क्लासरूम में सन्नाटा पसरा रहता है वहीं प्लेग्राउंड सूना पड़ा रहता है।

**दिनभर खाली बैठे रहते हैं टीचर**

यह स्कूल ज्यादा बड़ा तो नहीं। लेकिन हां इस छोटी बिल्डिंग में छह क्लॉसरूम हैं। ये बच्चों के इंतजार में खाली पड़े रहते हैं। यहां चार शिक्षक भी हैं जो सुबह 8 बजे ही स्कूल आ जाते हैं। स्टूडेंट न होने की वजह से ये टीचर दिनभर बोर होते रहते हैं। उनकी तनख्वाह तो समय से आती है पर वे अपनी जॉब से खुश नहीं हैं। स्कूल हेड सन्वरमल कहते हैं कि 'हमें पूरे दिन बैठे रहने में शर्म आती है। कभी यहां पर 50 से ज्यादा छात्र हुआ करते थे पर पिछले कुछ सालों में परिस्थितियां बिल्कुल बदल गई हैं।'

**शिक्षा विभाग को भेजा पत्र**

स्कूल के इतिहास को खंगाले तो पता चलता है इसकी नींव 1998 में रखी गई थी। तब यहां पास के गांवों से भी बच्चे पढ़ने आते थे। 2005 में, बच्चों की संख्या 55 थी पर उसके बाद कम होती चली गई। 2015-16 में केवल चार बच्चे बचे और पिछले साल पेरेंट्स ने उन्हें भी स्कूल से निकाल लिया। टीचर्स ने इस बाबत राज्य के एजुकेशन डिपार्टमेंट को खत लिखकर कहा थी है कि वे उन्हें जयपुर शिफ्ट कर दें या पास के ऐसे स्कूलों में ट्रांसफर कर दें जहां संस्कृत अध्यापकों की जरूरत हो। पर कई महीने बीत जाने के बावजूद भी राज्य सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

## नर कंकालों से बना है दुनिया का सबसे डरावना

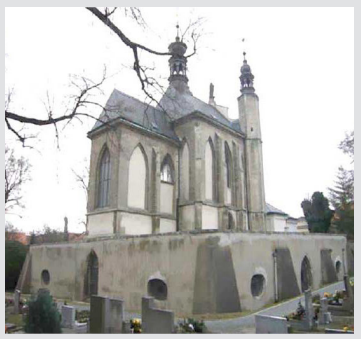

दुनिया में कई चर्च हैं जो अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस हैं। वैसे तो चर्च को पूजा स्थल माना जाता है और क्रिश्चन लोग यहां जाते हैं। लेकिन चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में एक ऐसा चर्च है जहां जाने से डर लगता है क्योंकि इस चर्च की इमारत इंसानों की हड्डियों से बनाई गई है। सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लगेगा लेकिन यह बात सच है और इस इमारत को सजाने में करीब 40000 हडिडयों का इस्तेमाल किया गया है। सेडलेक ऑस्युअरी नाम के इस अनोखे चर्च को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग आते हैं। यहां हर तरफ नर कंकाल नजर आते हैं। इसकी शुरूआत 14वीं शताब्दी में हुई। उस समय यहां प्लेग और युद्ध का आंतक फैल गया जिस वजह से हजारों की संख्या में लोग मरने लगे और उन्हें यहीं सेडलेक में ही दफनाया जाने लगा। फिर 1870 में फ्रेंटीसेक राइंड नाम के एक शख्स ने इन्हीं मरे हुए लोगों के कंकालों को निकाला और चर्च को सजाने का काम शुरू किया। जिस वजह से इसे चर्च ऑफ बोन्स भी कहा जाता है। इस चर्च को देखने के लिए हर साल 2 लाख लोग यहां पहुंचते हैं।

## मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

### मेष

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर के बड़ों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सम्मान बना रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

### सिंह

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

### धनु

शत्रु भय रहेगा। संपत्ति की खरीद-फरोख्त संभव है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। निवेश शुभ रहेगा।

### वृष

अचानक बड़ा लाभ हो सकता है। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

### कन्या

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। सुख के साधन जुटेंगे। जल्दबाजी न करें।

### मकर

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा।

### मिथुन

ऐश्वर्य पर खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

### तुला

पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

### कुंभ

घर-बाहर तनाव रहेगा। दौड़धूप अधिक होगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। झंझटों से दूर रहें।

### कर्क

बकाया वसूली होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

### वृश्चिक

कानूनी बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें।

### मीन

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निवेश, नौकरी व यात्रा मनोनुकूल लाभ देंगे। संतान की चिंता रहेगी।

# बर्फ में दबी मिली कपल की बॉडी, हो सकती है 75 साल पुरानी

स्विटजरलैंड के ग्लेशियर के बीच दो लोगों की ऐसी बॉडी मिली हैं जो 75 साल पुरानी हो सकती है। करीब 8500 फीट की ऊंचाई पर सैनप्लेरोन ग्लेशियर पर मिली बॉडी के ऊपर कपड़े भी आज तक पड़े हुए हैं।

पुलिस ने कहा है कि हो सकता है कि जिन लोगों की ये बॉडी हैं, वे कई दशक पहले हुए हादसे के शिकार हो गए हों। बैगपैक्स, बुक्स, घड़ी भी बॉडी के पास से मिले हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। केबल कार के एक वर्कर की इन बॉडी पर नजर पड़ी थी।

**कपल जो 7 बच्चे पीछे छोड़ गए थे**

पुलिस ने अब तक लोगों की पहचान उजागर नहीं की है, इसके लिए डीएनए टेस्ट कराए जाएंगे। स्थानीय मीडिया का कहना है कि ये लोग 1942 में गायब हुए मार्सिलीन और फ्रैन्सीन डुमोलिन हो सकते हैं जो 1942 में गायब हो गए थे। दोनों अपनी मौत के बाद 7 बच्चे पीछे छोड़ गए थे। एक स्थानीय अखबार ने कपल की अब 79 साल की हो चुकी बेटी से बात की। मर्सिलीन उद्री डुमोलिन इन बॉडी को पहचानती हुई दिखी। उन्होंने कहा कि से हम सारी जिंदगी उन्हें तलाशते रहे। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके मम्मी-पापा को अब दफनाया जा सकेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# इन आसान तरीकों से मिनटों में भगाएं कमर दर्द

ऑफिस में घंटों एक ही पोजीशन में बैठने की वजह से लोगों को कमर में दर्द होने लगता है जो बढ़कर गंभीर बीमारी का रूप धारण कर लेता है। इस वजह से लोग पेनकिलर दवाओं का सेवन करने लगते हैं जिससे उस समय तो दर्द से राहत मिल जाती है लेकिन इससे शरीर को काफी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर कमर दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।

**मेथी तेल**

इसके लिए मेथी दानों को सरसों के तेल में डालकर काला होने तक भूनें। जब ये अच्छी तरह से तेल में अपना असर छोड़ दें तो इसे छान कर एक शीशी में निकाल लें। रोजाना इस तेल से कमर की मालिश करने से दर्द गायब हो जाएगा।

**अजवाइन**

कमर दर्द होने पर थोड़ी-सी अजवाइन को तवे पर हल्का गर्म करें और इसे चबाकर खाएं। इससे दर्द से तुरंत राहत मिलेगी।

**योगासन**

योग हर बीमारी में फायदेमंद होता है। कमर दर्द होने पर रोजाना मकरासन करें जिससे दर्द से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी।

**तिल का तेल**

तिल का तेल काफी गर्म होता है जिससे मांसपेशियों को आराम मिलता है। कमर दर्द होने पर इस तेल से मालिश करने से फायदा होता है।

# खूबसूरत स्किन और बालों के लिए काफी हैं चुटकीभर केसर

खुशबू से भरपूर केसर का इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा भी केसर का सेवन करने से स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉबल्म दूर होती है लेकिन स्किन के लिए केसर लाजवाब नुस्खा है। भले की यह महंगा हो लेकिन इसके फायदे अनेक है। जी हां, केसर से आप अपने बालों को खूबसूरत और त्वचा की रंगत निखार सकते है। आइए जानते है कैसे चुटकीभर केसर आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देता है।

**बेदाग त्वचा**

केसर में एंटीफंगल भरपूर होता है स्किन पर मौजूद पिंपल्स और दाग-धब्बों को दूर कर देता है। अगर आपके चेहरे पर दाग-धब्बे दिखाई देते है तो 5-6 तुलसी की पत्तियों में 2 चुटकी केसर मिला लें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद धो लें।

**गोरी रंगत**

अगर आप अपने चेहरे की रंगत निखारने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर चुकी है तो केसर को अच्छी तरह मसकर उसमें 1 चम्मच गुलाबजल और 1 चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद धो दें।

**मजबूत और खूबसूरत बाल**

हेयर ऑयल में चुटकीभर केसर मिलाकर गुनगुना कर लें और बाद में इसे स्कैल्प पर अच्छे से लगाकर मसाज करें। अगले दिन बालों को धो लें। हफ्ते में दो बार ऐसा करें। इससे बाल मजबूत और खूबबूरत दिखाई देंगे।

**लाजवाब टोनर**

गुलाबजल की बोतल में चुटकीभर केसर मिला लें। फिर इसे रोज चेहरे पर स्प्रे करें। इससे चेहरे पर ग्लो और वह फ्रैश दिखाई देगा।

**ड्राई स्किन**

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो एक चौथाई कप पानी में चुटकीभर केसर और 2 चम्मच मिल्क पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इससे ड्राईनेस हट जाएगी।

**तनाव**

अगर आप अधिकतर तनाव से गुजर रहे है तो इसको दूर करने के लिए किसी दवाईयां का सहारा न लें बल्कि हाथ को छोटी उंगुली के नीचे कलाई वाली जगह पर हल्का सा दबाव बनाएं। इससे तनाव गायब हो जाएगा।

**इनडाइजेशन और एंग्जाइटी**

हाथ की हथेली से लगभग 3 से .मी नीचे वाले हिस्से को दबाने से इनडाइजेशन और एंग्जाइटी जैसी स्वास्थ्य संबंधी प्रॉबल्म दूर हो सकती है।

**हिचकी**

अचानक से आने वाली हिचकी आ जाए और रूकने का नाम न लें तो हथेली को बीच वाले प्वाइंट को दबाएं। इससे हिचकी झट से रूक जाएगी।

# हाथों के इन प्वाइंट को दबाने से दूर होगी कई प्रॉबल्म

अधिकतर लोगों को हर वक्त किसी न किसी छोटी-छोटी समस्या या दर्द से गुजरना पड़ता है। कभी सिर का दर्द तो कभी तनाव जैसी परेशानियां जो पीछा छोड़ने का नाम ही नहीं लेती। ऐसे में लोग महंगी से महंगी दवाईयों का सेवन करते है और कई देसी दवाईयों का सहारा लेते है लेकिन अगर इन सब से भी कोई फायदा न होता दिखाई दे पैसों की बबार्दी होती दिखाई देती है। आपने कभी सोचा है कि हमारे ही शरीर में कुछ प्वाइंट ऐसे होते है जिनको कुछ सेकेंड के लिए दबाने से स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉबल्म दूर हो जाती है। आज हम आपको हाथ के कुछ ऐसे ही प्लाइंट के बारे में बताएंगे जिसको दबाकर आप किसी भी तरह के दर्द से निजात पा सकते है।

**गर्दन दर्द**

गर्दन दर्द की प्रॉबल्म बहुत से लोगों को रहती है। जब गर्दन में तेज दर्द होता है तो कोई भी काम नहीं किया जाता है। ऐसे में इंडेक्स फिंगर और मिडिल फिंगर के बीच के निचले हिस्से पर दबाव डालने से दर्द खत्म हो जाता है।

**दांत दर्द**

दांत दर्द की समस्या भी बहुत से लोगों को होती है, जिस वह से खाना-पीना भी रूक जाता है। अगर आप भी दांत दर्द से परेशान है तो अंगूठे को नाखून के चारों तर प्रैशर बनाएं। इससे दर्द दूर होगा।

**पेट की समस्या**

पेट की समस्या अधिकतर लोगों होती है जैसे गैस प्रॉबल्म, पेट खराब आदि हो जाना। अगर ऐसे में हाथ की हथेली के बीच वाले प्वाइंट को दबाया जाए तो परेशानी खत्म हो जाती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



## शास्त्री के साथ नए सिरे से आगे बढ़ेंगे

# हमारे बीच बेहतर तालमेल: विराट कोहली

**मुंबई।** रवि शास्त्री के हेड कोच बनने के बाद विराट कोहली ने पहली बार बुधवार को उन पर कोई बयान दिया। श्रीलंका रवाना होने से पहले उन्होंने कहा-मैं और रवि शास्त्री नए सिरे से टीम को आगे ले जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कप्तान और कोच के बीच आपसी समझ और बेहतर तालमेल भी होना चाहिए। ये तालमेल हर फील्ड में जरूरी होता है। टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 26 जुलाई से खेलना है। इससे पहले दो दिवसीय प्रैक्टिस मैच भी होंगे। बता दें कि रवि शास्त्री को 11 जुलाई को टीम इंडिया का कोच बनाया गया। विराट ने शास्त्री के साथ टीम की बॉन्डिंग को लेकर कहा, हमारे बीच पहले से ही बेहतर तालमेल है, क्योंकि इससे पहले हम तीन साल तक एक साथ काम कर चुके हैं। जब हम पहले एक साथ काम कर चुके हैं, तो हमें एक दूसरे को समझने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। कोचों के साथ अपने रिलेशन को लेकर पूछे जाने पर कहा-आपका हर किसी के साथ एक रिलेशन होता है और इसी तरह से आप जीवन में आगे बढ़ते हैं। मैं इस मामले में इससे ज्यादा बात नहीं करना चाहता। वहीं, कोच सिलेक्शन को लेकर पिछले दिनों हुई कॉन्ट्रोवर्सी पर उन्होंने कहा-इन विवादों का मुझ पर कोई दबाव नहीं है। मैदान से बाहर जो कुछ भी हुआ उसका हम पर कोई असर नहीं। मैं कभी खुद पर अतिरिक्त दबाव नहीं देता। बेहतर यही है कि आप केवल उसी सीरीज पर ध्यान केंद्रित करें जो आप खेलने जा रहे हैं।

### कोच सिलेक्शन पर बोले शास्त्री

कप्तान और कोच के संबंधों को लेकर रवि शास्त्री ने कहा- मैं इस बात का जवाब दो हिस्सों में देना चाहूंगा। एक खिलाड़ी के रूप में और एक कोच के रूप में। यकीन मानिए इसमें कोई हितों का टकराव नहीं होगा। पहले एक खिलाड़ी के रूप में जब आप मैच खेलते हैं तो आपकी सोच बिल्कुल साफ होनी चाहिए। आप अपनी एकाग्रता को भंग नहीं होने देना चाहते और इसके लिए आपको एक अच्छे सपोर्ट स्टाफ की जरूरत होती है। अब एक कोच के रूप में मेरा काम यही है। मुझे कप्तान को केवल अपनी भूमिका और अपनी टीम के बारे में सोचने के लिए छोड़ना है। इसके अलावा उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होना चाहिए। साथ ही हमें विपक्षी टीम को भी देखना है।

### कोच के रूप में शास्त्री का पहला टूर

रवि शास्त्री का कोच के रूप में यह पहला दौरा होगा। हालांकि, वो पहले भी टीम डायरेक्टर की भूमिका निभा चुके हैं और कई दौरे कर चुके हैं, लेकिन विराट के साथ कोच के रूप में शास्त्री का यह पहला बड़ा टेस्ट होगा। उनकी नियुक्ति और कोचिंग स्टाफ को लेकर हाल में जिस तरह का विवाद उठ खड़ा हुआ उससे कप्तान और कोच दोनों ही श्रीलंका दौरे पर दबाव में रहेंगे।

## सचिन को टीम से जोड़ना चाहते हैं रवि शास्त्री

# बीसीसीआई की कमेटी ने किया इंकार

टीम इंडिया के नए कोच रवि शास्त्री ने सचिन तेंडुलकर को टीम के साथ जोड़ने की इच्छा जताई है। वे सचिन को कंसल्टेंट के रूप में देखना चाहते हैं। शास्त्री ने ये बात बीसीसीआई की स्पेशल कमेटी के सामने भी रखी थी, लेकिन कमेटी ने इससे इनकार कर दिया। इसकी वजह सचिन के हितों का टकराव बताया गया। बता दें कि बीसीसीआई की कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सीओए) ने मंगलवार को शास्त्री की पसंद पर भरत अरुण को टीम इंडिया का नया बॉलिंग और आर श्रीधर को फील्डिंग कोच बनाया। सचिन तेंडुलकर फिलहाल सीएसी (क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी) के तीन मेंबर्स में से एक हैं, जिसने रवि शास्त्री को टीम इंडिया के हेड कोच के रूप में चुना है। इसके अलावा, सचिन आईपीएल टीम मुंबई इंडियन्स के मेंटर भी हैं। टीम इंडिया के साथ जुड़ने के बाद कोई भी पूर्व क्रिकेटर किसी और प्रोफेशनल कमिटमेंट के साथ काम नहीं कर सकता। यही वजह है कि सचिन भी टीम के साथ नहीं जुड़ सकते हैं।

### क्या हुआ मीटिंग में

मंगलवार को टीम का बॉलिंग कोच फाइनल करने के मसले पर बीसीसीआई की चार सदस्यीय कमेटी की मीटिंग हुई थी। इस स्पेशल कमेटी में बोर्ड के एक्टिंग प्रेसिडेंट सीके खन्ना, सीईओ राहुल जौहरी, एक्टिंग सेक्रेटरी अमिताभ चौधरी और एडमिनिस्ट्रेटर्स कमेटी की मेंबर डायना एडुल्जी शामिल हैं। मीटिंग के दौरान रवि शास्त्री ने थोड़े समय के लिए तेंडुलकर को टीम के कंसल्टेंट के रूप में जोड़ने की बात कही, लेकिन स्पेशल कमेटी ने उन्हें साफ कर दिया कि सचिन चाहे फुल टाइम के लिए जुड़ें या पार्ट टाइम के लिए, इसमें हितों के टकराव का मुद्दा बीच में जरूर आएगा। बता दें कि क्रिकेट टीम की एडवाइजरी कमेटी (सीएसी) ने राहुल द्रविड़ को विदेशी दौरों के लिए टीम का बैटिंग कोच और जहीर खान को बॉलिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया था। सीओए ने इन अप्वाइंट्स को केवल सिफारिशें बताकर टाल दिया था। फिर, इनके सिलेक्शन के लिए चार मेंबर की स्पेशल कमेटी बनाई थी।

### कमेटी ने याद दिलाए नियम

कमेटी के एक मेंबर ने इस बारे में कहा, रवि ने सचिन को शॉर्ट पीरियड के लिए कंसल्टेंट के रूप में बोर्ड में शामिल करने का सुझाव दिया था। जिसके बाद कमेटी मेंबर्स ने तुरंत ही उन्हें कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट क्लॉज की याद दिला दी।

# डोपिंग का डंक: भारत की शॉटपुटर मनप्रीत कौर डोप टेस्ट में नाकाम, छिन सकता है गोल्ड मेडल

**नई दिल्ली।** भारतीय एथलेटिक्स को डोपिंग के कारण बड़ा झटका लगा है। एशियाई चैंपियन शॉटपुटर मनप्रीत कौर डोप टेस्ट में नाकाम रही हैं। डोप टेस्ट में नाकाम रहने के कारण इस माह की शुरूआत में जीता उनका गोल्ड मेडल छिन भी सकता है। भुवनेश्वर में हाल ही में संपन्न एशियाई चैंपियनशिप में पीला तमगा जीतने वाली मनप्रीत प्रतिबंधित स्टिम्युलेंट डाइमेथिलबुटिलेमाइन के सेवन की दोषी पाई गई हैं। यह टेस्ट एक से चार जून तक पटियाला

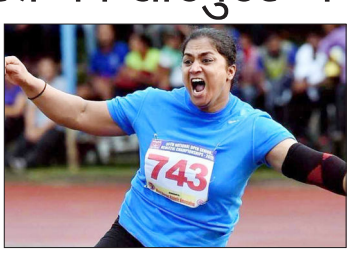

में हुई फेडरेशन कप राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक अधिकारियों ने किया था। यदि उसका 'बी' नमूना भी पॉजिटिव आता है तो भारत को भुवनेश्वर में उसका जीता गोल्ड मेडल गंवाना पड़ेगा। भारतीय ऐथलेटिक्स महासंघ के एक अधिकारी ने बताया, 'मनप्रीत को जून में फेडरेशन कप के दौरान हुए टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया। उनके मूत्र के नमूने में प्रतिबंधित स्टिम्युलेंट डाइमेथिलबुटिलेमाइन पाया गया है। हमें नाडा ने मंगलवार रात इसकी सूचना दी।' मनप्रीत के कोच और पति करमजीत ने संपर्क करने पर कहा, 'हमें इस बारे में अभी कुछ नहीं बताया गया है।' चीन में अप्रैल में आयोजित हुए एशियन ग्रैंड प्रिक्स के दौरान मनप्रीत ने 18.86 मीटर की दूरी तक गोला फेंककर गोल्ड जीता था। ये ग्लोबल मीट के क्वालिफाइंग मार्क 17.75 मीटर से भी बेहतर था। भुवनेश्वर में आयोजित हुए एशियन एथलेटिक्स मीट में उन्होंने 18.28 मीटर की दूरी के साथ गोल्ड जीता। सूत्रों के अनुसार पहली बार किसी खिलाड़ी को डाइमेथिलबुटिलेमाइन के सेवन का दोषी पाया गया है जो मेथिलहेक्सानामाइन स्टिम्युलेंट जैसा ही है। दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल 2010 के दौरान कई खिलाड़ियों को मेथिलहेक्सानामाइन के सेवन का दोषी पाया गया था। मनप्रीत लंदन में अगले महीने होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई कर चुकी है लेकिन अब उसकी भागीदारी खतरे में पड़ गई है। एएफआई अधिकारी ने कहा, हमने अभी इसके बारे में नहीं सोचा है लेकिन हम विश्व स्तर पर अपनी किरकिरी नहीं कराना चाहते।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# मैं किसी भी माध्यम को कमतर नहीं समझता : अनिल

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर का कहना है कि वह एक कलाकार के रूप में सिनेमा की तुलना में मनोरंजन के अन्य माध्यमों को कमतर नहीं समझते हैं। अनिल ने कहा, मैं किसी भी माध्यम को बड़ा या छोटा नहीं समझता। हम कहानी की प्रकृति के आधार पर माध्यम चुनते हैं, क्योंकि हम हजारों दर्शकों तक पहुंच बनाना चाहते हैं और आखिर में यह कहानी कहने की कला का जश्न होता है। उन्होंने कहा, हां, इसमें कोई शक नहीं कि सिनेमा का कद बड़ा है, लेकिन मुझे टेलीविजन या वेब सीरीज को कमतर देखने का कोई कारण नहीं नजर आता। ऑस्कर विजेता फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर, टीवी शो 24, वेब सीरीज ओएसिस में काम कर चुके अभिनेता आगामी फिल्म मुबारकां में एक अनिवासी पंजाबी के रूप में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि वह फिल्म में करतार सिंह के किरदार में हैं, जो अपने गांव पिंड को बहुत याद करता है और लंदन में उसने अपने लिए छोटा सा पंजाब बना रखा है, जहां वह सब्जियां उगाता है और पंजाब की तरह यहां भी उसके पास ट्रैक्टर होता है। उन्होंने कहा कि घर से दूर होने पर अपनी जड़ों की सबसे ज्यादा याद आती है।

# कृति ने करवाया हॉट फोटोशूट

फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली एक्ट्रैस कृति सैनन ने हाल ही में फैशन मैगजीन ऋल्ट के लिए फोटोशूट करवाया है। उन्होंने अपनी इन फोटोज को अपने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ शेयर किया है। इन फोटोज में कृति ने ह्वाइट कलर की एक ड्रैस पहनी है जिसमें वह बेहद हॉट लुक में नजर आ रही हैं। फोटोज में कृति ने बालों के हेयर स्टाइल को फंकी लुक दिया है जो उनकी लुक को और हॉट बना रही है। कृति ने अपनी ड्रैस को एक तरफ से नीचे किया हुआ है।

# बॉलीवुड में कमबैक करेगी शिल्पा

जानी मानी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी बहुत जल्द बॉलीवुड में कमबैक कर सकती है। शिल्पा काफी समय से फिल्मों से दूर है। फिल्मों में वापसी के बारे में पूछे जाने पर शिल्पा ने कहा , 'जल्द, मुझे कुछ परियोजनाओं की पेशकश हुई है, देखते हैं मैं इसका हिस्सा बनती हूं या नहीं।' शिल्पा आज के दौर की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक आलिया भट्ट की मुरीद हैं, जिन्होंने फिल्म उड़ता पंजाब के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का आईफा पुरस्कार जीता। शिल्पा ने कहा, 'वह जो भी करती हैं, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देती हैं, वह वास्तव में खुद को आगे बढ़ाना पसंद करती हैं और जोखिमपूर्ण भूमिकाएं निभाती हैं।'

# फिल्म 'बरेली की बर्फी' का पहला पोस्टर आया सामने

बॉलीवुड फिल्म बरेली की बर्फी का पहला पोस्टर सामने आया है। इस पोस्टर में कृति लेटी हुई बरेली की बर्फी किताब पढ़ती नजर आ रही हैं। इस फिल्म में कृति सैनन के अपोजिट अभिनेता आयुष्मान खुराना हैं। इससे पहले कृति की फिल्म राब्ता रिलीज हुई थी जिसमें उनके साथ सुशांत सिंह राजपूत थे. दो जन्मों वाली ये लव स्टोरी दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आई थी और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। वहीं आयुष्मान खुराना इससे पहले मेरी प्यारी बिंदू में दिखे थे जिसमें उनके साथ परिणीति चोपड़ा थीं। ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई। बता दें कि पहली बार इस फिल्म में आयुष्मान और कृति एक साथ नजर आने वाले हैं। यह एक चटपटी रोमानी कॉमेडी है, जिसकी कहानी उत्तर भारत के प्रसिद्ध शहर बरेली में पनपी है। इस फिल्म में राजकुमार राव भी नजर आएंगे। ये फिल्म 18 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को अश्विनी अय्यर तिवारी ने डायरेक्ट किया है।